RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 आलिया का रिएक्शन...

वर्ष : 27 अंक : 286 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शनिवार, 04 अक्टूबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

मॉर्निंग वॉक पर निकली तीन महिलाओं को कार ने कुचला

गाजियाबाद में हादसा, तीनों महिलाओं की मौत

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद में शनिवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां

सिहानीगेट थाना क्षेत्र में राकेश मार्ग कट पर मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को एक तेज़ रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जिसमें 3 महिलाओं की मौत हो गई. जबकि एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना के बाद आरोपी कार चालक, कार छोड़ कर मौके से फरार हो गया है. जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार को सुबह की सैर पर निकलीं तीन महिलाओं की एक कार ने टक्कर मार दी. जिससे उनकी मौत हो गई, जबकि एक पुरुष घायल हो गया. यह दुर्घटना सुबह करीब 6 बजे जीटी रोड पर राकेश मार्ग के पास हुई. मृतकों की पहचान कोतवाली क्षेत्र के न्यू कोटगांव निवासी मीनू प्रजापति (56), कमलेश (55) और सावित्री देवी (60) के रूप में हुई है. जबकि घायल की पहचान शतम विहार कॉलोनी निवासी विपिन शर्मा (47) के रूप में हुई है.

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (सिटी) धवल जायसवाल ने बताया कि कार चालक कार छोड़कर फरार हो गया. जिसे जब्त कर लिया गया है। फिलहाल शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी चालक का पता लगाने व उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। जल्द ही आरोपी कार चालक की गिरफ्तारी भी कर ली जाएगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार की स्पीड काफी तेज थी. टक्कर लगते ही लोगों में चीख पुकार मच गई।

बरेली में सपा नेताओं की 'नो एंट्री'

गाजीपुर बॉर्डर पर सपा सांसदों को रोका

माता प्रसाद पांडेय व सांसद जियाउर्रहमान बर्क हाउस अरेस्ट

लखनऊ/नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद हालात तनावपूर्ण हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय समेत कई सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल आज बरेली जाने वाला था। लेकिन बरेली के जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस आयुक्त लखनऊ और अन्य जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि बिना इजाजत के कोई भी राजनीतिक प्रतिनिधि बरेली नहीं आएगा। इस पत्र के बाद पुलिस अलर्ट हो गई। इसको लेकर पुलिस नेता प्रतिपक्ष को नोटिस दिया साथ ही उनके आवास पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। यूपी पुलिस ने सपा के सांसदों को दिल्ली, मेरठ एक्सप्रेसवे के गाजीपुर बॉर्डर पर भी रोक दिया। वहीं छिजारसी टोल पर भी सपा नेताओं को रोकने के लिए

पुलिस फोर्स तैनात की गई है।

सोमवार सुबह से ही लखनऊ में नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडे के आवास के बाहर भारी पुलिस तैनात है। माता प्रसाद पांडेय को हाउस अरेस्ट कर लिया है।

हालांकि वह आवास के बाहर आए और गाड़ी में बैठने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें पुलिस ने रोक लिया। वहीं, सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के बाहर पुलिस बल तैनात है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दांतों से चबाया पड़ोसी का कान

नोएडा (चेतना मंच)। हरौला गांव में कमरे के सामने पानी फैलने को लेकर हुए विवाद में मारपीट हो गई मारपीट के दौरान एक युवक ने अपने पड़ोसी का कान दांतों से चबाकर उसे लहू लुहान कर दिया। पीड़ित ने थाना फेस वन में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से इटावा के रहने वाले विकास कुमार गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में अपने परिवार के साथ हरौला गांव में किराए पर रह रहा है। 2 अक्टूबर की रात्रि को वह अपने कमरे पर था इस दौरान पड़ोस में रहने वाले विपिन कुमार ने उसके कमरे के सामने पानी फैला दिया उसने जब इस बात का विरोध किया तो वह गाली गलौज करने लगा कहा सुनी के दौरान विपिन ने इस (शेष पृष्ठ-3 पर)

30 अक्टूबर को जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन !

एडिशनल चीफ सेक्रेटरी दीपक कुमार ने जेवर एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उदघाटन का दिन नजदीक आ गया है। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में शामिल होने आए उत्तर प्रदेश के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी दीपक कुमार ने बैठक के बाद जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे और वहां चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने एयरपोर्ट के काम को समय के अनुसार पूरा करने का निर्देश भी दिया, एयरपोर्ट के अधिकारियों ने अब तक की गई एयरपोर्ट के कार्यों की प्रगति से उन्हें अवगत कराया और साथ ही समय पर काम पूरा करने का आश्वासन दिया।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन समारोह 30 अक्टूबर को प्रस्तावित है और इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाना है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में जेवर एयरपोर्ट का निरीक्षण करेंगे। जेवर एयरपोर्ट के उदघाटन के मद्देनजर एयरपोर्ट प्रबंधन अंतिम तैयारी में (शेष पृष्ठ-3 पर)

बेनिट यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में छात्र से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की बैनिट यूनिवर्सिटी में बीटेक थर्ड ईयर में पढ़ने वाले छात्र के साथ साथी छात्रों ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया मारपीट की यह घटना यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में हुई पीड़ित छात्र ने दो नामजद व अन्य अज्ञात छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से जनपद वैशाली बिहार के रहने वाले श्रीमय कुमार नेट दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह बेनिट यूनिवर्सिटी से बीटेक कर रहा है। वर्तमान में वह थर्ड ईयर का छात्र है। 1 अक्टूबर की रात्रि को वह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में था। इस दौरान उसके साथ पढ़ने वाले राजवीर राठौर, परमदीप व उनके अन्य साथियों ने उसके साथ बिना वजह मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान उसे काफी चोटें आई। झगड़ा होता देखकर मौके पर अन्य छात्र इकट्ठा हो गए इसके बाद आरोपी गाली गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। आरोपियों के जाने के बाद उसने एक निजी अस्पताल में पहुंचकर अपना इलाज कराया। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है

रॉन्ग साइड से कार लाने पर टोकना पड़ा भारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेसवे पर रॉन्ग साइड से कार लेकर आ रहे युवकों को टोकना गार्डों को महंगा पड़ा। कार सवार युवकों ने गार्डों के साथ मारपीट कर उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित गार्ड के भाई ने थाना रबूपुरा में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम करौली बांगर निवासी पवन भाटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका भाई सागर व बुआ का लड़का गौरव कुमार त्रिशूल सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड में गार्ड की नौकरी करते हैं। दोनों की ड्यूटी यमुना एक्सप्रेसवे के फलेंदा कट पर थी। 2 अक्टूबर की रात्रि को दोनों भाई अपनी ड्यूटी पर थे। इस दौरान सफेद रंग की स्विफ्ट कर रॉन्ग साइड से आई और बैरिकेड को हटाकर वहां से जाने का प्रयास किया ड्यूटी पर डटे (शेष पृष्ठ-3 पर)

केबल बनाने वाली कंपनी में लगी आग

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-63 में केबल बनाने वाली कंपनी में आज सुबह आग लग गई। फायर

ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे ने बताया कि आज सुबह सूचना मिली कि थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के अंतर्गत क्लो नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के दूसरे तल पर आग लग गई है। सूचना के आधार पर तुरंत मौके पर पांच गाड़ियां रवाना की गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

कंटेनर ने बाइक में मारी टक्कर, छात्र की गई जान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र के अल्फा गोल चक्कर पर कंटेनर की टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। इसी थाना क्षेत्र में बीते दिनों बाइक की टक्कर लगने से रेहडी चालक की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

जनपद मुजफ्फरनगर के रहने वाले सत्यवीर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 3 अक्टूबर की सुबह उनका पोता अनमोल अपने दोस्त आर्यन धाम निवासी बागपत के साथ उसकी बाइक से उसके पी जी जा रहा था। मोटरसाइकिल को आर्यन धाम चल रहा था जबकि अनमोल पीछे बैठा हुआ था। उनकी बाइक जैसे ही अल्फा गोल चक्कर से डेल्टा की तरफ मुड़ी तो तेज गति में आ रहे कंटेनर के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में अनमोल व आर्यन धाम गंभीर रूप से घायल हो गए गंभीर स्थिति में उन्हें जिम्स अस्पताल ले जाया गया यहां चिकित्सा ने अनमोल को इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। घायल आर्यन धाम के परिजन ने उसे शारदा अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

गोवा की तर्ज पर नोएडा में बनेगा इंटीग्रेटड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में भी अब गोवा की तर्ज पर पहला इंटीग्रेटड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट बनाया जाएगा। इस प्लांट से निकलने वाले वेस्ट से एक साथ तीन प्रोडेक्ट बनेंगे। पहला बायोगैस से बिजली , दूसरा कंपोस्ट और तीसरा पानी। इस पानी का प्रयोग कार वाशिंग, कंस्ट्रक्शन और सिचाई के लिए किया जाएगा। अभी ये प्लांट गोवा में रन कर रहा है। वहां इससे पानी, बिजली और कंपोस्ट तीनों बनाए जा रहे है। इसी टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके नोएडा में 300 टीडीपी का प्लांट लगाया जाएगा।

गोवा में प्लांट का दौरा करने गए अधिकारियों ने इसकी पीपीटी तैयार की है। जिसका प्रजेंटशन किया जाएगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

छात्रा लापता, दो युवकों पर अपहरण का शक

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस वन क्षेत्र के सेक्टर 15 से नौवीं कक्षा की छात्रा घर से बिना बताए चली गई। किशोरी के पिता ने दो युवकों पर शक जताते हुए थाना फेस 1 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर 15 में रहने वाले राजेश कुमार (काल्पनिक नाम)ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 30 सितंबर को वह अपनी पत्नी के साथ किसी काम से बाहर गए थे। कुछ समय बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बेटी घर पर नहीं थी। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की (शेष पृष्ठ-3 पर)

सोसायटी के गेट पर मारपीट, 4 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सोसायटी के एग्जिट गेट से कार ले जाने पर विवाद हो गया। विवाद में कार सवार दो युवकों तथा गार्ड्स के बीच मारपीट हो गई। मारपीट में दोनों पक्षों के लोग घायल हो गए। थाना बिसरख पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर (शेष पृष्ठ-3 पर)

11 भूखंडों पर गिरेगी आवंटन निरस्तीकरण की गाज

नोएडा (चेतना मंच)। जिन आवासीय तथा ग्रुप हाउसिंग भूखंडों पर समय विस्तार मिलने के बाद भी 12 वर्षों से निर्माण नहीं हुआ है अब उनकी खैर नहीं। उनका आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण की 219वीं बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

ऐसे करीब 11 भूखंडों की सूची प्राधिकरण के वर्क सर्किल की ओर से दी गई है। जबकि 9 ऐसे भूखंड है जिन पर आंशिक निर्माण किया गया है या वो निर्माणाधीन है। ऐसे भूखंडों पर आवंटी को निर्माण पूरा कर अधिभोग प्रमाण पत्र लेने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। इसके बाद किसी प्रकार का समय नहीं दिया जाएगा।

दरअसल, प्राधिकरण की 205वीं बोर्ड में आवसीय और ग्रुप हाउसिंग भूखंड में निर्धारित समय में निर्माण पूरा नहीं कराने पर लीज डीड की शर्त के अनुसार टाइम एक्सटेंशन पहले साल के लिए आवंटन दर का एक प्रतिशत, दूसरे साल के लिए 2, तीसरे के लिए 3, चौथे साल के लिए 4 प्रतिशत इसी तरह 10 साल अतिरिक्त समय के लिए कुल आवंटन दर का 10 प्रतिशत देने का नियम था। इसके बाद भी आवंटियों ने निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया।

ऐसे में 208वीं बोर्ड में आंशिक संसोधन करते हुए नियमों में बदलाव किया गया और आवंटी को स्पष्ट कहा कि 12 साल से अधिक समय बीतने के बाद भी जिन आवंटियों ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

वन्यजीव संरक्षण जैव विविधता में संतुलन बनाता है : आनंद मोहन

मिसेज वर्ल्ड इंटरनेशनल सलोनी मल्होत्रा ने भी की शिरकत

नोएडा (चेतना मंच)। शीविंग्स ने उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के साथ मिलकर राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह 2025 मनाया। यह कार्यक्रम ओखला पक्षी विहार में आयोजित किया गया था। इसमें मॉडर्न एकेडमी के छात्रों ने भाग लिया। इस पहल के मुख्य अतिथि गौतमबुद्ध नगर के उद्यान निदेशक, आनंद मोहन थे। उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा, 'वन्यजीव संरक्षण जैव विविधता में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साँपों से लेकर बाघों और कीड़ों तक, ये सभी जैव विविधता को बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।'

मिसेज़ वर्ल्ड इंटरनेशनल, सलोनी मल्होत्रा की अमूल्य उपस्थिति ने हमें गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा, 'मिसेज़ वर्ल्ड इंटरनेशनल 2025 के रूप में, मुझे

ओखला पक्षी अभयारण्य में आयोजित प्रकृति, वन्यजीवन और जैव विविधता के जीवंत उत्सव का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस हुआ। प्रकृति की सैर जिसने हमें प्रकृति से जुड़ने का मौका दिया, आकर्षक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन, सभी आयोजित कार्यक्रम वन्यजीव संरक्षण की तात्कालिकता और हमारे ग्रह के बहुमूल्य संसाधनों की रक्षा की आवश्यकता के बारे में सशक्त संदेश देते थे।' इसके बाद एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई, जहां छात्रों ने आकर्षक पेंटिंग बनाई।

ऑनलाइन डकैती

कैसी विडंबना है कि भोले-भाले लोगों से छल करके खून-पसीने से हासिल जीवनभर की पूंजी ऑनलाइन डकैती में लूट ली जाती है। जिसकी वापसी के लिए तंत्र की कोई जवाबदेही और कानून-व्यवस्था से कोई गारंटी सुनिश्चित नहीं है। जब तंत्र लगातार ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रेरित करता है तो उसे जनधन की सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा जारी हालिया आंकड़े इस संकटपूर्ण स्थिति का खुलासा करते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2023 में साइबर क्राइम की घटनाओं में 31.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। जिसके आने वाले वर्षों में और अधिक होने की आशंका जतायी जा रही है। जो इस बात का प्रमाण है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से निबटना अब दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित रूप से साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों के आंकड़े जुटाने की एनसीआरबी की पहल महत्वपूर्ण है, जो इस संकट से निबटने की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इन अपराधों से निबटने के लिये कैसे रणनीति बनाते हैं। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि कैसे वे साइबर अपराधियों के संजाल में फंसने से बच सकते हैं। यूं तो डेटा सुरक्षा के लिये तमाम दिशा-निर्देश सरकार के विभिन्न संगठनों की तरफ से दिए जाते हैं, लेकिन आज भी पुरानी पीढ़ी के तमाम लोग ऐसे हैं जो ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग को लेकर पर्याप्त रूप से साक्षर नहीं होते। ऐसे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है कि दैनिक जीवन में ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हुए अपने गोपनीय डेटा की सुरक्षा कैसे करें। लेकिन विडंबना यह है कि साइबर अपराधी नित नए तौर-तरीकों से लोगों को लूटने लगते हैं। कुछ समय पहले साइबर लुटेरों ने स्पूफिंग तकनीक से लोगों को शिकार बनाना शुरू किया। वे सोशल मीडिया अकाउंट में घुसपैठ करके धन की उगाही करने लगते। व्यक्ति को संकट में दिखाकर उसके रिश्तेदारों से धन ऐंठने लगते।

विडंबना यह है कि साइबर ठगी की तकनीक उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों और ई-मेल खातों तक भी पहुंच गई। दरअसल, कभी हैकिंग, तो कभी स्पूफिंग के कपटपूर्ण छल का मकसद लोगों की जमा-पूंजी को निशाना बनाना ही रहा है। दरअसल, जब तक लोग ठगी के इन तौर-तरीकों को समझ पाते, साइबर ठग नई तकनीक के सहारे लोगों को भ्रमित कर चूना लगाने की नई कोशिश में लग जाते हैं। ऐसे में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच सवाल उठता है कि हमारा तंत्र इन घटनाओं में पर प्रभावी रोक लगाने में कामयाब क्यों नहीं हो पाता। आखिर फोन व कंप्यूटर में मजबूत एंटी वायरस और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर क्यों कामयाब नहीं होते। आखिर क्यों साइबर घुसपैठ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इन पर रोक के लिये कोई कारगर व्यवस्था व मैकेनिज्म क्यों नहीं बन पा रहा है। दूरसंचार नियामक ट्राई की अपनी सीमाएं हैं। संकट यह भी है कि ज्यादातर साइबर अपराध की घटनाएं प्रॉक्सी यानी छद्म सर्वर या फिर वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिये अंजाम दी जाती हैं। ज्यादातर अपराध भारत के बाहर से संचालित होते हैं। यही वजह है कि जालसाज विदेश में बैठकर भी भारत के अपराधियों की मदद से धोखाधड़ी का नेटवर्क बना लते हैं। इससे वे भारतीय नागरिकों को चपत लगाने में सफल हो जाते हैं। निस्संदेह, ऐसे मामलों में व्यक्तिगत सावधानी और सजगता-सतर्कता मददगार साबित हो सकती है। खासकर इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग करते वक्त अतिरिक्त सावधानी से ऐसी धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। लोगों को याद रखना चाहिए कि कभी बैंक का कोई अधिकारी खाताधारक से निजी व गोपनीय जानकारी नहीं पूछता है। वो कभी फोन व ई-मेल से ऐसी जानकारी नहीं मांगता है। इसलिए जरूरी है कि यदि कोई व्यक्ति बैंक खाते की सुरक्षा से जुड़े पासवर्ड,पिन, सीवीवी तथा खाता नंबर की जानकारी मेल या फोन से मांगता है तो उसे नजरअंदाज करना चाहिए। ऐसी ही सावधानी हाऊस अरेस्ट के मामलों में भी बरतनी चाहिए। साथ ही असली-नकली वेबसाइट की सावधानी से जांच करनी चाहिए।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि रात्रि का प्रवेश होते ही (संध्या के समय) मुनि ने आज्ञा दी, तब सबने संध्यावंदन किया। फिर प्राचीन कथाएँ तथा इतिहास कहते-कहते सुंदर रात्रि दो पहर बीत गई॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

मुनिबर सयन कीन्हि तब जाई। लगे चरन चापन दोउ भाई॥
जिन्ह के चरन सरोरुह लागी। करत बिबिध जप जोग बिरागी॥

तब श्रेष्ठ मुनि ने जाकर शयन किया। दोनों भाई उनके चरण दबाने लगे, जिनके चरण कमलों के (दर्शन एवं स्पर्श के) लिए वैराग्यवान पुरुष भी भाँति-भाँति के जप और योग करते हैं॥

तेइ दोउ बंधु प्रेम जनु जीते। गुर पद कमल पलोटत प्रीते॥
बार बार मुनि अग्या दीन्ही। रघुबर जाइ सयन तब कीन्ही॥

वे ही दोनों भाई मानो प्रेम से जीते हुए प्रेमपूर्वक गुरुजी के चरण कमलों को दबा रहे हैं। मुनि ने बार-बार आज्ञा दी, तब श्री रघुनाथजी ने जाकर शयन किया॥

चापत चरन लखनु उर लाएँ। सभय सप्रेम परम सचु पाएँ॥
पुनि पुनि प्रभु कह सोवहु ताता। पौढ़े धरि उर पद जलजाता॥

भावार्थ-श्री रामजी के चरणों को हृदय से लगाकर भय और प्रेम सहित परम सुख का अनुभव करते हुए लक्ष्मणजी उनको दबा रहे हैं। प्रभु श्री रामचन्द्रजी ने बार-बार कहा- हे तात! (अब) सो जाओ। तब वे उन चरण कमलों को हृदय में धरकर लेटे रहे॥

(क्रमशः..)

संस्कृति, शक्ति और सत्य का उत्सव है दशहरा

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना।

पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।

दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें।

शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। श्राद्धों के समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें 'ज्वारे' कहा जाता है। मिट्टी के जिस बर्तन में जौ बोए जाते हैं, उसे स्त्री के गर्भ का प्रतीक माना गया है और ज्वारों को उसकी संतान। दशहरे के दिन लड़कियां अपने भाईयों की पगड़ी अथवा सिर पर ज्वारे रखती हैं और भाई उन्हें कोई उपहार देते हैं। सही मायनों में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें।

- योगेश कुमार गोयल

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर लड़ी थी आजादी की लड़ाई

महान स्वतंत्रता सेनानी और 19वीं सदी के सबसे सम्मानित राजनेता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 02 अक्तूबर को जन्म हुआ था। महात्मा गांधी के त्याग और देश की आजादी में उनके अहम योगदान के लिए उनको %राष्ट्रपिता% का दर्जा दिया गया। वहीं देश के लोग उनको प्यार से बापू कहकर पुकारते हैं। महात्मा गांधी के करिश्माई नेतृत्व के कारण ही भारत में 200 सालों से राज कर रही ब्रिटिश हुकूमत को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

गुजरात के पोरबंदर में 02 अक्तूबर 1869 को महात्मा गांधी का जन्म हुआ था। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। इनके पिता का नाम करमचंद गांधी और मां का नाम पुतलीबाई था। वहीं महज 13 साल की उम्र में महात्मा गांधी की शादी कस्तूरबा से कर दी गई। कस्तूरबा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन में गांधीजी का पूरा सहयोग किया था।

महात्मा गांधी की ताकत सत्य और अहिंसा के सिद्धांत थे। उन्होंने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाकर आजादी की लड़ाई में कई आंदोलन किए। महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह, दांडी सत्याग्रह ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव कमजोर करने में अहम रोल अदा किया था।

देश की आजादी के बाद भी महात्मा गांधी ने सामाजिक और आर्थिक सुधार के लिए कई काम किए। वह देश की शांति और सौहार्द को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। उन्होंने लोगों को संयम, सच्चाई और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

महात्मा गांधी ने अपना पूरा जीवन सादगी के साथ जिया। क्योंकि उनका मानना था कि सादगी की जीवन का असली सौंदर्य है। वह एक धोती पहनकर पदयात्रा करते थे और आश्रम में रहते थे। महात्मा गांधी के इसी सादगीपूर्ण जीवन से प्रभावित होकर लोगों ने उनको %बापू% कहना शुरूकर दिया था।

बता दें कि सबसे पहले सुभाष चंद्र बोस ने महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता का सम्मान दिया था। सुभाष चंद्र बोस ने गांधी जी को यह उपाधि इसलिए दी थी, क्योंकि वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता था और उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत से आजादी पाने के लिए पूरे देश को एकजुट करने का काम किया था।

देश की आजादी के कुछ समय बाद नाथुराम गोडसे ने 30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष, द्वादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
औषधि इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। अनाब-सनाब खर्चे होंगें। सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पैतृक संपत्ति को लेकर के विवाद हो सकता है। कोर्ट-कचहरी में नुकसान संभव है। व्यावसायिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
यात्रा का अभी प्रोग्राम न बनाएं। कष्ट हो सकता है। अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। वाहन धीरे चलाएं। तबीयत पर ध्यान रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कोई बड़ी नोक-झोक से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
डिस्टर्बिंग फेस है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
तुला राशि की स्थिति ठीक-ठाक कही जाएगी। लेकिन शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
संतान को लेकर के, जो लोग प्रेम में हैं वो लोग अपने प्रेम को लेकर के, विद्यार्थीगण अपनी पढ़ाई को लेकर के अच्छा फील नहीं करेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में खलल पड़ सकता है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति में नकारात्मक स्थिति देखकर के मन खराब रहेगा। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
धन हानि के संकेत हैं। जुबान पर काबू रखें और अभी रुपये-पैसे किसी को न दें। या कहीं निवेश न करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। निकटता होने के बाद भी दूरी का अहसास होगा।

धीरेन्द्र सिंह ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के शुभारंभ की तैयारियों को लेकर बैठक की

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट न केवल प्रदेश के लिए, बल्कि देश के लिए गौरव का प्रतीक बनकर उभरेगा और एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट देश और पूरी दुनिया के पैसेंजर्स को बेहतरीन सुविधाएं तथा अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध कराएगा।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के शुभारंभ की तैयारियों को लेकर नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में एयरपोर्ट पर यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया गया। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के सपने को साकार करने में यह एयरपोर्ट एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह न केवल प्रदेश के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का प्रतीक बनकर उभरेगा और एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि शीघ्र ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का शुभारंभ करेंगे। यह एयरपोर्ट केवल एक हवाई यात्रा का केंद्र नहीं, बल्कि प्रदेश और देश के लिए वैश्विक पहचान का प्रतीक और प्रधानमंत्री के 'नए भारत' के विज़न को साकार करने में अहम योगदान देने वाला एक मील का पत्थर होगा।

बैठक के बाद जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक तकनीक, उच्चस्तरीय सुरक्षा और ग्रीन पर्यावरण के साथ यह एयरपोर्ट देश और पूरी दुनिया के पैसेंजर्स को नई सुविधा व नया अनुभव देगा।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट देश और पूरी दुनिया के यात्रियों को नई सुविधा तथा उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करेगा। अत्याधुनिक तकनीक, डिजिटल सुविधाएं और पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन इसे सिर्फ एक हवाई यात्रा केंद्र नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश और औद्योगिक विकास के नए अवसरों का केंद्र भी बनाएगा।

भाजपा को बुलंदियों पर पहुंचाया 'बागवान परिवार' ने

संस्थापक अध्यक्ष समेत तीन अध्यक्ष इसी परिवार से रहे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुधनगर जिले में एक ऐसा गांव है जहां एक ही परिवार में भारतीय जनता पार्टी के तीन-तीन जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। भाजपा के संस्थापक जिलाध्यक्ष भी इसी परिवार से रहे हैं। यही नहीं भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक जिला अध्यक्ष रहे स्वर्गीय तेजपाल सिंह भाटी दादरी के जुनपत गांव के मूल रूप से रहने वाले थे। तब गौतमबुद्धनगर जिले की स्थापना नहीं हुई थी। तब यह क्षेत्र जनपद गाजियाबाद में था। उनके बाद उनके बेटे स्वर्गीय प्रवीन भाटी बहुत कम उम्र में भाजपा के जिला अध्यक्ष बने और वह दादरी विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव भी लड़े। लेकिन उनका 31 वर्ष के उम्र में निधन हो जाने के बाद उनके भाई प्रणीत भाटी को पार्टी ने गौतम बुद्ध नगर का जिले का प्रथम जिला अध्यक्ष बनाया। प्रणीत भाटी के जिला अध्यक्ष बनने पर पार्टी तेजी के

साथ मजबूत होती चली गई। कभी गाजियाबाद एवं गौतमबुद्धनगर में भारतीय जनता पार्टी को लोग जानते तक नहीं थे लेकिन जब स्वर्गीय तेजपाल सिंह भाटी को भाजपा ने कमान सौंपी तो उन्होंने दिन रात मेहनत कर पार्टी को बुलंदियों पर पहुंचा दिया। किसी भी कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग उनके एक बुलावे पर जुट जाते थे। उस समय संचार व्यवस्था इतनी तेज नहीं थी। लोगों को बुलाने के लिए संदेश भिजवाए जाते थे। स्व. बाबू तेजपाल सिंह भाटी ने भारतीय जनता पार्टी को ऐसा मजबूत किया कि आज गाजियाबाद एवं गौतमबुद्धनगर जिले में भारतीय जनता पार्टी की जय जय हो रही है। स्वर्गीय तेजपाल सिंह भाटी के निधन के बाद भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने प्रवीण भाटी को गाजियाबाद का जिलाध्यक्ष बनाया। उनके निधन के बाद पार्टी ने स्व. प्रवीण भाटी के छोटे भाई प्रणीत भाटी को गौतम बुद्ध नगर जिले के गठन होने के बाद उन्हें पहला जिला अध्यक्ष घोषित किया।

प्रणीत भाटी के जिला अध्यक्ष बनते ही मानो जैसे भारतीय जनता पार्टी में बूम आ गई। अशोक प्रधान यहां से निरंतर तीन बार भाजपा के टिकट पर लोस. चुनाव जीते। जनपद का यह परिवार भारतीय जनता पार्टी के साथ पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ हमेशा से लगा रहा। आज इसी परिवार की देन है कि विपक्ष का गौतमबुद्धनगर जिले से पूरी तरह से सूपड़ा साफ हो गया है। चाहे वह विधानसभा हो या विधान परिषद हो या जिला पंचायत हो या फिर ब्लॉक प्रमुख का पद हो, सभी पर भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि का कब्जा है।

इस परिवार का भाजपा के साथ-साथ आरएसएस से भी बहुत गहरा जुड़ा रहा है। हालांकि अब बाबू तेजपाल सिंह भाटी एवं उनके बेटे स्व. प्रवीण भाटी इस दुनिया में नहीं है लेकिन उनके छोटे बेटे प्रणीत भाटी आज भी भारतीय जनता पार्टी का झंडा बुलंद कर रहे हैं।

भरत मिलाप व राम राज्यभिषेक की लीला का हुआ भव्य मंचन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी द्वारा ग्रेनो साईट चार में गणेश वंदना से रामलीला प्रारम्भ हुई श्री राम लक्ष्मण को भेजकर लंका में विभीषण का राजतिलक करवाते हैं और हनुमान जी को अशोक वाटिका में सीता को लेने भेजते हैं और श्री राम लक्ष्मण से अग्नि का प्रबन्ध करने को कहते हैं कि सीता अग्नि परीक्षा के उपरांत ही मुझसे मिलेगी उनकी इस बात पर लक्ष्मण क्रोधित हो उठते हैं तब श्री राम उन्हें समझाकर उन्हें शांत करते हैं और हनुमान जी सीता जी को लेकर आते हैं अग्नि परीक्षा के उपरांत पुष्पक विमान से राम लक्ष्मण सीता सुग्रीव हनुमान विभीषण सब अयोध्या के लिये चलते है मार्ग में ऋषि भारद्वाज का आशीर्वाद लेकर और मित्र गुह राज से मिलते हैं माता सीता गंगा जी की पूजा करती हैं और हनुमान नंदी ग्राम में पहुंचकर भरत को शुभ समाचात देते है कि श्री राम अयोध्या लौट रहे हैं यह सुनकर पूरी अयोध्या में खुशी की लहर दौड़ पड़ती हैं और पुरवासी नाचते गाते खुशी मनाते हैं और भगवान श्री राम और भरत का मिलाप होता है और श्री राम गुरु वाशिष्ठ और तीनों माताओं से मिलते हैं तब गुरु वशिष्ठ उनके राजतिलक के लिये कहते हैं और अयोध्या में प्रभु श्री राम का राजतिलक होता हैं इसी के साथ आज 3 अक्टूबर को रामलीला मंचन का समापन होता है।

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कमेटी सभी सहयोग कर्ताओ का व कार्यक्रम के सभी प्रायोजकों का मीडिया का ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण,यूपीसीड़ा जिला प्रसाशन व पुलिस प्रसाशन, फायर बिर्गेड का श्री रमलीला कमेटी धन्यवाद करती है खास तौर पर पुलिस प्रशासन ने जो इस बार सिक्योरिटी की बहतरीन व्यवस्था की थी कमेटी उसके लिए जिले के सभी छोटे व बड़े अधिकारियों का व इस्पेक्टर सब इस्पेक्टर कोस्टेबल्स का बहुत बहुत धन्यवाद करती है।

इस अवसर पर अध्यक्ष मनजीत सिंह धर्मपाल भाटी बिजेन्द्र सिंह आर्य मनोज गर्ग सौरभ बंसल विनोद कसाना ओमप्रकाश अग्रवाल कुलदीप शर्मा मुकेश शर्मा के के शर्मा हरेन्द्र भाटी मुकुल गोयल अमित गोयल अतुल जिन्दल गिरीश जिन्दल अनुज उपाध्याय कमल सिंह आर्य श्रीचन्द भाटी श्यामवीर भाटी मनोज यादव सुभाष चन्देल गजेंद्र चौधरी अनिल कसाना सुनील प्रधान दीपक भाटी राहुल नम्बरदार प्रभाकर देशमुख विशाल जैन अरुण गुप्ता अतुल जैन अंकुर गर्ग विकास आर्य रिंकू आर्य प्रमोश मास्टर आदि सदस्य उपस्थित रहे।

जमकर चाँदी काट रहे हैं कुलेसरा के भूमाफिया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कुलेसरा गांव के कुछ भूमाफिया लखनावली गांव के पास हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में मिट्टी भरवाकर भोली भाली जनता को अपनी जमीन बताकर ठगने का काम कर रहे हैं।

बताते चलें कि लखनावली गांव के बगल में हिंडन नदी डूब क्षेत्र में 50 बीघे से अधिक जमीन काफी समय से खाली पड़ी थी जिस पर कुलेसरा के कुछ भूमाफियाओं की नजर उस पर लगी हुई थी। मौका पाते ही यह भूमाफिया वहां पर भराव करवा कर भोली भाली जनता को अपनी जमीन बताकर बेचने का काम प्रारंभ कर दिए हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस काम में कुलेसरा के पांच लोगों की एक टीम है जो सुबह 10 बजे अपनी अपनी गाड़ियों से वहां पहुंच जाते हैं और पूरे दिन बैठकर सरकारी जमीन को अपनी जमीन बताकर लोगों को बेच रहे हैं। यदि समय रहते ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के आला अफसर ने इस पर कार्रवाई नहीं की तो हजारों की संख्या में गरीबों की गाढ़ी कमाई इन भूमाफियाओं के चंगुल में फंस जाएगी। यह भूमाफिया पहले भी कृष्ण मंदिर के पास खसरा नंबर 595 जो ग्राम समाज की जमीन है उस पर लोगों को गुमराह कर कॉलोनी काटने का काम कर चुके हैं। अपने आप को बड़े-बड़े लोगों से संबंध बताने वाले इन भूमाफियाओं पर आखिर जिला प्रशासन एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। यह समझ से परे है लेकिन एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भूमाफियाओं को में समाप्त करने के अभियान में जुटे हैं। वहीं यह भूमाफिया मुख्यमंत्री को चुनौती देते नजर आ रहे हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

गोवा की तर्ज पर.....

गोवा के इस प्लांट में कचरे से जैविक पदार्थों को अलग किया जाता है और उन्हें बायोगैस के रूप में परिवर्तित किया जाता है। जो विद्युत ऊर्जा उत्पादन में सहायक होता है। रेस्टोरेंट्स से निकलने वाले गीले कचरे को महत्वपूर्ण बायो-प्रोडक्ट्स मीथेन युक्त जैसे बायो-गैस में बदला जाता है। साथ ही सूखे कचरे से रीसाइकल करने योग्य सामग्री मिलती है। गोवा के इस इस प्लांट में 250 मेट्रिक टन कचरे का इसी तरह निपटारा किया जाता है। इससे पानी भी निकलता है। इसके अलावा प्लांट प्रतिदिन 7-8 टन खाद भी उत्पन्न करता है।

गीले सूखे कचरे को इस टेक्नोलॉजी से निपटारा करने से हमे लिचेड (एक प्रकार का गंदा पानी) मिलता है। इस पानी को शोधित कर प्रयोग में लाया जा सकता है। प्राधिकरण इस पानी का प्रयोग करेगा। इसके लिए इंटीग्रेटड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट के साथ ही एक एसटीपी भी बनाया जाएगा। ये लिचेड एसटीपी में शोधित होगा। एक आकल के अनुसार 100 टन कचरे से रोजाना करीब 2 टन पानी बनाया जा सकता है। जिसका प्रयोग कार वाशिंग , सिचाई और कंस्ट्रक्शन में हो सकता है।

नोएडा के अस्तौली में इस प्लांट को पीपीपी मॉडल पर लगाया जाएगा। यानी कंपनी बिजली, कंपोस्ट और पानी को बेचकर प्लांट का खर्चा निकालेगी। इस प्लांट को चलाएगी। साथ ही एग्रीमेंट के तहत प्राधिकरण को हैंडओवर करेगी। इसकी क्षमता 300 से 400 टन कीर होगी। इसके लिए जल्द ही आरएफपी जारी की जाएगी।

कंटेनर ने बाइक में....

सत्यवीर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मूल रूप से ग्राम नगला बदरपुर जनपद बुलंदशहर निवासी विजनेश कुमारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके जीजा केदारी सिंह ग्रेटर नोएडा की स्वर्ण नगरी में किराए के मकान में रहते हैं वह डेल्टा पुल के नीचे नारियल पानी की रेहड़ी लगाते थे। 8 सितंबर की शाम को वह रेडी लेकर वापस अपने घर लौट रहे थे। वह जैसे ही जेपी ग्रीन सोसाइटी के पास पहुंचे तो तेज गति में आ रहे बाइक चालक ने उनकी रेहडी में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में केदारी सिंह को गंभीर चोटे आई। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के कारण वह बड़े अस्पताल में उपचार नहीं कर पाए और नजदीक के ही एक डॉक्टर से इलाज करते रहे हालत ज्यादा गंभीर होने पर वह उन्हें इलाज के लिए बुलंदशहर लेकर आ रहे थे लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। 12 सितंबर को बुलंदशहर में उनका पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

छात्रा लापता, दो युवकों पर....

लेकिन कोई पता नहीं चला। राजेश कुमार ने सिकंदराबाद निवासी यथार्थ भाटी व शुभम निवासी बुलंदशहर पर अपनी बेटी को बहला फुसला कर भगा ले जाने का शक जताते हुए रिपोर्ट कराई है पुलिस का कहना है कि किशोरी की तलाश की जा रही है।

सोसायटी के गेट पर....

मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना क्षेत्र की आम्रपाली गोल्फ होम्स सोसाइटी में रहने वाले अर्जुन पुत्र मुरारी व अभिषेक पुत्र सुनील कुमार 3 सितंबर को सोसाइटी के एग्जिट गेट से अपनी कार भीतर ले जा रहे थे। सोसायटी के गेट पर तैनात गार्ड गौतम सिंह पुत्र दशरथ व सत्यम शुक्ला पुत्र राम मुरारी शुक्ला ने उन्हें रोक दिया। इस बात पर कार सवार युवकों की गार्डों से कहासुनी हो गई। कहासुनी इतनी बढ़ी कि दोनों पक्षों के बीच लात घुसे चलने लगे। सोसायटी के गेट पर हो रही मारपीट से वहां अफरातफरी मच गई। मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। सोसायटी के अन्य लोगों ने किसी तरह झगड़े को शांत कराया। झगड़े की सूचना मिलने पर थाना बिसरख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने इस मामले में प्रथम पक्ष से अर्जुन व अभिषेक तथा दूसरे पक्ष से गौतम सिंह व सत्यम शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया है।

केबल बनाने वाली कंपनी में....

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान आग को फैलने नहीं दिया गया जिससे बड़ी हानि होने से बच गई। उन्होंने बताया कि इस कंपनी में केबल वायर की असेंबली का कार्य होता था। फायर ब्रिगेड कर्मियों की तत्परता से कोई जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि संभवत शार्ट सर्किट की वजह से कंपनी के द्वितीय तल में आग लगी थी। आग के कारणों की जांच पड़ताल की जा रही है।

रॉन्ग साइड से कार....

सागर व गौरव ने युवकों को गलत दिशा से कार निकालने को मना किया तो वह भड़क उठे और गाली गलौज करने लगे। गाली गलौज का विरोध करने पर कार सवार मुरादगढ़ी रामनिवास, गब्बर, दीपक, के पी व अन्य युवकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। युवकों ने लाठी डंडों से दोनों को जमकर पीटा। मारपीट के दौरान सागर के सिर में डंडा लगने से वह बेहोश होकर गिर गया इसके बाद सभी युवक जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। गंभीर स्थिति में सागर को जेवर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है

30 अक्टूबर को जेवर....

युद्ध स्तर पर जुटा हुआ है। एयरपोर्ट की तैयारी की समीक्षा और निरीक्षण करने के लिए शुक्रवार को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी दीपक कुमार वहां पहुंचे और उन्होंने टर्मिनल बिल्डिंग रनवे और एटीसी टावर के रडार सिस्टम जानकारी हासिल की। गौतमबुद्धनगर की जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम ने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी दीपक कुमार का स्वागत किया।

अधिकारियों ने बताया गया कि टर्मिनल बिल्डिंग रनवे हैंगर और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण अक्टूबर के अंत तक पूरा खेल लिया जाएगा इसके बाद 30 अक्टूबर को एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रस्तावित है। अधिकारियों ने एयरपोर्ट कि अब तक की प्रगति के बारे में मुख्य चीफ सेक्रेटरी को अवगत कराया और एयरपोर्ट का काम समय पर पूरा होने का आश्वासन भी दिया है चीफ सेक्रेटरी ने जब जापान के पदाधिकारी के साथ बैठक भी की है।

दांतों से चबाया ...

बिल्डिंग में रहने वाले भीम पुत्र अजय व दीपांशु पुत्र राजकुमार को भी बुला लिया इन लोगों ने आते ही उसके साथ मारपीट की मारपीट के दौरान दीपांशु ने उसका सिर पकड़ कर दांतों से उसका कान चबा लिया। मारपीट के दौरान उसके सिर में कान में भी गंभीर चोटें आई। उसे लहू लुहान करने के बाद तीनों आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस का कहना है कि पीड़ित शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

वहीं थाना फेस-1 क्षेत्र की जेजे कॉलोनी सेक्टर 16 में रहने वाले उत्तम कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 14 सितंबर की रात्रि को हरोला मार्केट से वह अपने भाई शिव कुमार और संजीव कुमार के साथ घर जा रहा था। वह जैसे ही सेक्टर 16 जेजे कॉलोनी में नाला पुश्ते के पास पहुंचे तो वहां पहले से ही बैठे राकेश, गौरव, अमित और हर्ष ने उन्हें रोक लिया। इन लोगों ने बेवजह उन्हें गालियां देनी शुरू कर दी उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो चारों आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की मारपीट में घायल करने के बाद आरोपी पुलिस में शिकायत दर्ज करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस में चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बरेली में सपा....

उधर, बरेली जा रहे समाजवादी पार्टी के एक सांसद प्रतिनिधिमंडल, जिसमें मोहिबुल्लाह नदवी, इकरा हसन और हरेंद्र सिंह मलिक शामिल थे, को यूपी पुलिस ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर गाजीपुर सीमा पर रोक दिया है। सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा कि हमें बरेली जाने से रोका जा रहा है। यह असंवैधानिक है। भाजपा सरकार पहले लोगों पर बहुत अत्याचार करती है और फिर उसे छुपाने की कोशिश करती है।

सपा सांसद इकरा हसन कहा कि हमें समझ नहीं आ रहा कि अघोषित आपातकाल में हमें किस बिनाह पर रोका जा रहा है। हम प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे साथ चले। हम कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई एजेंडा नहीं है। पता नहीं यूपी सरकार अपनी कौन सी काली करतूत छुपाना चाहती है कि हमें बरेली नहीं जाने दे रही है।

11 भूखंडों पर गिरेगी ....

अधिभोग प्रमाण पत्र नहीं लिया है। उनको 31 मार्च 2023 तक का समय दिया जाता है। इस समय सीमा का लाभ भी कई आवंटियो ने नहीं लिया। न तो निर्माण करवाया और न अधिभोग प्रमाण पत्र प्राप्त किया। प्राधिकरण ने एक बार पुर से 214वीं बोर्ड में तीन महीने का एक्टेशन देते हुए अंतिम अवसर दिया। इसके बाद भी आवंटियों ने निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया।

ऐसे में प्राधिकरण स्पष्ट कहा कि खाली भूखंडों का आवंटन निरस्त किया जाए। साथ ही जिनके भूखंडों पर निर्माण हो रहा है उन्हे छह महीने में निर्माण कर अधिभोग प्रमाण पत्र हासिल करना होगा।

खाली पड़े भूखंड

एम-40/66, एम-41/66, बीएस-149/70, एसके-31/112, डी-18/52, डी-19/52, सी-180/49, ई-98/22/50, डी169/39/50, डी166/14/50

जिन पर किया गया निर्माण

बीएच-26/70, जीटी-33/70, एसके-129/112, डी-169/17 सेक्टर-50, सी-78/52, बीआर -20/45, सी-40/14, 01/जीएच-3/105

इफको फूलपुर में हर्षोल्लास से मनाया दशहरा

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको घियानगर फूलपुर में दशहरा पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह द्वारा श्रीराम मंदिर में तथा कार्यक्रम स्थल में विधि-विधान से पूजा पाठ से शुरू हुआ। इस दौरान संक्षिप्त रामायण का चित्रण किया गया जिसमें विशेषत: राम-रावण युद्ध को दर्शाया गया।

इफको घियानगर कालोनी में राम,लक्ष्मण,रावण हनुमान व अन्य पात्रों की भव्य शोभा यात्रा श्रृंगार चौकी हाथी,घोड़ा व ऊंट पर निकाली गई जोकि विशेष आकर्षण का केंद्र रही 7 इसके पूर्व माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन इफको टाउनशिप के अंदर बने कृत्रिम तालाब में हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई तथा उसके पहले 'सिंदूर खेला' में सिन्दूर खेल कर भाव पूर्ण विदाई दी। सायं काल घियानगर मुक्तांगन में रावण का पुतला दहन किया गया तथा भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया। इकाई प्रमुख पी.के.सिंह ने अपने संदेश में घियानगरवासियों को दशहरे पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने संक्षिप्त रामलीला में भाग लेने वाले सभी पात्रों को पुरस्कार

दिये जाने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन इफको रिक्रिएशन क्लब के सचिव डी.के.शुक्ला ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक क्रमश: संजय भंडारी, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक आर.पी.यादव, पी.के.त्रिपाठी,संदीप गोयल, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव तथा बड़ी संख्या में इफको घियानगर के लोगों ने सपरिवार दशहरे पर्व का आनंद लिया।

लापता हो गए हैं जिलापूर्ति अधिकारी अभिनव सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिला आपूर्ति अधिकारी अभिनव सिंह अघोषित रूप से गायब हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बिना बताए अनुपस्थित रहने के कारण जिलाधिकारी मेधा रूपम ने न केवल उनके पुन: ज्वाइन करने पर रोक लगा दी है बल्कि क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी को उनके स्थान पर प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी बना दिया गया है।

18 जून 2025 को जनपद गौतमबुद्धनगर में बतौर जिला आपूर्ति अधिकारी नियुक्त हुए अभिनव सिंह की पिछले लगभग डेढ़ माह से कोई खोज खबर नहीं है। जिलापूर्ति कार्यालय के कर्मचारी उनके बारे में कुछ भी बताने को तैयार नहीं होते हैं। बताया गया है कि गत 4 अगस्त को दादरी तहसील दिवस में अभिनव सिंह नहीं पहुंचे थे। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने उनकी अनुपस्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए उनका स्पष्टीकरण तलब कर लिया था। इस घटनाक्रम के जवाब में अभिनव सिंह ने 15 दिन का

डीएम ने ज्वाइनिंग पर लगाई रोक, क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी को सौंपा प्रभार

चिकित्सकीय अवकाश का पत्र भेज दिया।गत 20 अगस्त को जब अभिनव सिंह अपने कार्यालय पहुंचे तो जिलाधिकारी के आदेश पर उन्हें पुन: ज्वाइन करने से रोक दिया गया। इसके साथ ही क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी स्मृति गौतम को जिला आपूर्ति अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया।सदर उपजिलाधिकारी रहीं पीसीएस अधिकारी चारुल यादव को जिला आपूर्ति विभाग का मुखिया बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि अभिनव सिंह यहां नियुक्ति से पहले अलीगढ़ में इसी पद पर कार्यरत थे। उनकी पत्नी राज्य कर विभाग में गौतमबुद्धनगर में तैनात होने के चलते उन्होंने अपनी नियुक्ति यहां करायी थी।इसी दौरान एक ट्रक पान मसाला छोड़ने के मामले में उनकी पत्नी को न केवल यहां से स्थानांतरित कर दिया गया बल्कि उनके विरुद्ध विभागीय जांच भी शुरू हो गई। सूत्रों के अनुसार पत्नी की पैरवी में लगे होने के कारण उनका अपनी ड्यूटी पर उपस्थित होना मुश्किल हो गया। जिला मुख्यालय (कलेक्ट्रेट) में इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा की गई कठोर कार्रवाई को लेकर अधिकारी कर्मचारियों में चर्चा बनी हुई है।

स्वदेशी अभियान को लेकर भाजपा की बैठक

भदोही (चेतना मंच)। भाजपा के जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी क्षेत्रीय खादी इंडिया शोरूम नदेसर में महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया उसके बाद नागेंद्र रघुवंशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के आवाहन पर हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी अभियान के तहत खादी से निर्मित सामानों का संग्रह किया। इस अवसर पर गोवर्धन राय जिला मीडिया प्रभारी भाजपा भदोही भी मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

चारधाम के कपाट बंद होने की तिथि और शुभ मुहूर्त तय

नैनीताल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में शीतकाल के दौरान चार धाम यानी केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने की तिथि तय हो गई हैं। दशहरा के दिन बड़े धार्मिक आयोजन के साथ पूरे विधि विधान के साथ बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद करने का मुहूर्त निकाला गया। जिसके बाद आगामी छह महीनों के लिए चारों धामों के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। इस साल सबसे पहले 22 अक्टूबर को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होगे। इसका समय भी तय कर लिया गया है। गंगोत्री धाम के कपाट सुबह 11:36 बजे बंद किए जाएंगे। इसके अगले दिन केदारनाथ धाम और यमुनोत्री धाम के कपाट बंद किए जाएंगे।

केदारनाथ धाम के कपाट 23 अक्टूबर की सुबह 8:30 बजे पूरे विधि विधान और पूजा पाठ के साथ बंद होंगे और इसी दिन यमुनोत्री धाम के भी कपाट भी दोपहर 12:30 बजे बंद करने की तिथि और समय तय किया गया है। सबसे आखिर में बाबा बदरीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को दोपहर 2:56 बजे रीति-रिवाज और प्राचीन परंपराओं के साथ बंद कर दिए जाएंगे। इसके अलावा द्वितीय केदार मद्महेश्वर के कपाट 18 नवंबर ब्रह्म मुहुर्त और तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट 6 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद होंगे। ऐसे में अगर आप अभी तक चार धामों की यात्रा नहीं कर पाएं हैं या फिर यात्रा पर जाना चाहते हैं तो समय कम बचा है। इसलिए कपाट बंद करने से पहले श्रद्धालु अपनी तैयारी कर सकते हैं। बता दें कि उत्तराखंड के चारों धाम हिमालय की ऊंचे पहाड़ों पर स्थित हैं।

'बदला देने के लिए नाबालिग बेटी को हथियार बनाना ठीक नहीं'

पत्नी ने पति और परिवार के सदस्यों पर यौन शोषण का झूठा केस किया; कोर्ट से लगी फटकार

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। यह कहानी है एक ऐसी पत्नी की, जिसने अपने पति को फंसाने के लिए ऐसी साजिश रची, जिसे सुनकर कोर्ट भी हैरान रह गया। महिला ने अपनी नाबालिग बेटी को ढाल बनाया और ये केस कर दिया कि उसके पिता, चचेरे भाई ने बेटी का यौन शोषण किया है। यहां तक कि दादी और मौसी पर भी झूठे आरोप लगा दिए। वहीं, इस मामले में सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला को फटकार लगाई है और कहा कि न्याय के लिए बनाए गए बाल संरक्षण कानूनों का इस्तेमाल प्रतिशोध के साधन के रूप में नहीं किया जा सकता। महिला ने 2020 में एफआईआर दर्ज कराया था। ये मामला पॉक्सो (पोक्सो) कानून के तहत दर्ज किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि उसकी बेटी के साथ उसके पिता यानी महिला के पति और उसके (पति) परिवार के लोगों ने यौन शोषण किया। यहां तक कि दादी और मौसी पर भी गंभीर आरोप लगा दिए थे। इस पर ट्रायल कोर्ट ने महिला की याचिका खारिज कर दी थी। महिला ने ट्रायल कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट का रुख किया। हालांकि, हाईकोर्ट ने भी पति और परिवार लगाए आरोपों को झूठा बताते हुए महिला की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि बदले की भावना से बेटी को हथियार बनाना ठीक नहीं।

कोर्ट ने महिला पर लगाया जुर्माना

ट्रायल कोर्ट ने पहले ही महिला की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने अपने अलग हुए पति के परिवार के सदस्यों को तलब करने की मांग की थी। महिला पर 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए महिला की अपील खारिज कर दी और अतिरिक्त 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

निर्दोष लोगों को फंसाने की कोशिश

जस्टिस अरुण मोंगा ने अपने फैसले में कहा कि जिस बच्चे के हित की रक्षा के लिए पोक्सो अधिनियम जैसे कठोर कानून बनाए गए हैं, उनका उपयोग व्यक्तिगत बदले के लिए नहीं किया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाबालिग बच्ची की अस्वीकार्य और असंगत गवाही के आधार पर अतिरिक्त अभियुक्त को तलब करना न्याय प्रक्रिया का गंभीर दुरुपयोग होगा। अदालत ने यह भी कहा कि वृद्ध दादी और मौसी जैसी निर्दोष लोगों को फंसाने की कोशिश केवल प्रतिशोध की भावना से प्रेरित है। अदालत ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों में बच्चे को न्यायिक प्रक्रिया में हथियार बनाने का निर्णय न केवल बच्चे के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर डालता है, बल्कि पूरी कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता को भी कमजोर करता है।

ट्रक चालक की बेटी बनी जज

ऊना की सिमरनजीत ने बदली गरीब परिवार की किस्मत

ऊना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में एक ट्रक चालक की बेटी ने बड़ा कमाल किया है। बसदेहड़ा के ट्रक चालक अमरीक सिंह की बेटी सिमरजीत कौर ने न्यायिक सेवा परीक्षा पास की है। उसने जज बनकर परिवार का सिर फक्र से ऊंचा कर दिया। सिमरनजीत कौर ने अपनी सफलता का श्रेय पिता अमरीक सिंह और ताया के बेटे इकबाल सिंह को दिया। सिमरनजीत कौर ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल मैहतपुर में प्राप्त की। इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढ़ाई की है।वही एलएलएम की पढ़ाई पूरी की थी। अमरीक सिंह परिवार का पेट पालने के लिए ज्यादातर समय घर से बाहर रहते हैं। लेकिन उनकी इस मेहनत को सिमरनजीत ने जाया नहीं होने दिया।सिमरनजीत ने साबित कर दिया कि सपनों को साकार करने के लिए हालात नहीं हौसला मायने रखता है। सिमरनजीत ने रोजाना 15 घंटों से अधिक पढ़ाई करती थी। अब परिणाम सामने आया तो परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई।

सिमरनजीत कौर ने कहा कि उसका लक्ष्य न्यायिक सेवा में जाने का था। उन्होंने कहा कि वह अपने कर्तव्य को पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करेगी। सिमरनजीत ने कहा कि कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है, बशर्ते उसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि रिजल्ट जिस दिन आया उस दिन उनको यकीन नहीं हो रहा था कि उन्होंने यह परीक्षा पास कर ली है। दोस्तों के जरिये उन्हें पहले जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने रिजल्ट का पीडीएफ डाउनलोड किया और तब उन्हें पूरा यकीन आया कि उन्होंने यह परीक्षा पास कर ली है।

गुजरात बीजेपी को आज मिलेगा नया अध्यक्ष किसे मिलेगी मिशन 2027 की जिम्मेदारी

अहमदाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात बीजेपी के नए अध्यक्ष के लिए कल नामांकन पत्र दायर किया जाएगा। राज्य बीजेपी द्वारा जारी सूचना के अनुसार कल सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक नामांकन पत्र दायर किए जा सकेंगे। एक से अधिक नामांकन होने पर चार अक्टूबर शनिवार को चुनाव होगा। चूंकि बीजेपी संगठन चुनाव में एक ही नामांकन पत्र दायर होता है। लिहाजा कल सुबह ही गुजरात बीजेपी को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। खास बात यह है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव गुजरात और उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव न होने पाने के कारण अटका हुआ है। माना जा रहा है कि गुजरात और उसके बाद यूपी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि पीएम मोदी यूपी से सांसद हैं और गृह मंत्री अमित शाह गुजरात से। इसलिए नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन पत्र पर वे तब तक दस्तखत नहीं कर सकते जब तक कि इन दोनों ही प्रमुख राज्यों में संगठन चुनाव पूरे न हो जाएं।

बीजेपी में एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत

गुजरात में पिछले पांच साल से सी आर पाटिल प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष हैं। उन्हीं के नेतृत्व में बीजेपी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में 156 विधानसभा सीटें जीत कर ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त किया था। हालांकि 2024 से वे केंद्र में जल संसाधन मंत्री हैं और अपने पद से मुक्त होने की इच्छा जता चुके हैं। बीजेपी में अमूमन एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत रहता है। इस लिहाज से भी पाटिल के उत्तराधिकारी की खोज चल रही थी।

गुजरात को कहां से मिलेगा बीजेपी अध्यक्ष

माना जा रहा है कि इस बार गुजरात बीजेपी को मध्य गुजरात से प्रदेश अध्यक्ष मिल सकता है। अभी तक सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात से प्रदेश अध्यक्ष बनते आए हैं। जातिगत समीकरणों के हिसाब से देखें तो किसी ओबीसी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना अधिक है क्योंकि मुख्यमंत्री पटेल हैं। कांग्रेस ने अपना प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी बनाया है। जबकि नेता विपक्ष की जिम्मेदारी आदिवासी को दी है। ऐसे में बीजेपी के सामने कांग्रेस के ओबीसी-आदिवासी कंबिनेशन का मुकाबला करने की चुनौती भी रहेगी।

कौन-कौन गुजरात बीजेपी अध्यक्ष की दौड़ में

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं खेडा से तीसरी बार सांसद चुने गए देवुसिंह चौहाण गुजरात बीजेपी अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उनके अलावा राज्य सरकार में मंत्री जगदीश पंचाल एवं पूर्व मंत्री तथा सूरत से विधायक पूर्णेश मोदी का नाम भी इस पद के लिए चल रहा है। साथ ही, लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल का नाम भी लिया जा रहा है।

इंदौर से छह शहरों के लिए उड़ानें,गोवा और नवी मुबंई जुड़ेंगे इंदौर से

इंदौर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। 26 अक्टूबर से 28 मार्च विंटर शेड्यूल लागू हो रहा है। इस दौरान इंदौर से छह शहरों के लिए नई उड़ान शुरू होने जा रही है। इंदौर से मुंबई के लिए कई उड़ानें हैं, लेकिन एक नई उड़ाने 8 अक्टूबर के बाद नवी मुंबई के लिए शुरू होंगी।

नवी मुबंई में नया इंटरनेश्नल एयरपोर्ट तैयार हो चुका है। इंदौर से नवी मुंबई जाने वाले यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट लेने में इस नए एयरपोर्ट से आसानी होगी। कई अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें नवी मुंबई एयरपोर्ट से संचालित होगी। इसके अलावा 26 अक्टूबर से गोवा के लिए भी एयर इंडिया एक्सप्रेस नई उड़ान शुरू करने जा रहा है।

इंदौर से गोवा के लिए इंडिगो भी एक उड़ान संचालित करती है।इसके अलावा इंदौर से रीवा के लिए के लिए भी उड़ान सेवा शुरू होगी।

ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर चल रही सट्टेबाजी पर केंद्र सरकार सख्त, जारी किये ड्राफ्ट नियम

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को लेकर ड्राफ्ट नियम जारी कर दिए हैं। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र को रेग्यूलेट करना और गेमिंग के नाम पर चल रही सट्टेबाजी को रोकना है। मॉनसून सत्र में इस बारे में विधेयक पारित किया गया था और अब ड्राफ्ट नियमों पर सरकार ने स्टेकहोल्डर्स से सुझाव मांगे हैं। ये 31 अक्तूबर तक दिए जा सकते हैं और उसके बाद अंतिम अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। ड्राफ्ट नियमों के अनुसार, एक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण (ओगाई) की स्थापना की जाएगी, जिसका मुख्यालय दिल्ली एनसीआर में होगा। आईटी मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले, वित्तीय सेवाओं के अधिकारी और कानूनी विशेषज्ञ इसके सदस्य होंगे। इसका काम सामाजिक खेलों और ई-स्पोर्ट्स का पंजीकरण और प्रमाणन, स्वीकृत खेलों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाए रखना और यह तय करना होगा कि कोई खेल वैध है या सट्टा आधारित है। ड्राफ्ट नियमों के अनुसार, सट्टा आधारित ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाया गया है।

सट्टा आधारित ऑनलाइन गेम वे खेल हैं, जिनमें नकद दांव, सट्टा या नकद में परिवर्तनीय पुरस्कार शामिल हो। यह पूरे देश में प्रतिबंधित किया गया है। इनका उल्लंघन करना गंभीर और गैर-जमानती अपराध माना गया है और इसके लिए कंपनी के सभी कर्मचारी जिम्मेदार ठहराए जा सकते हैं। साथ ही पंजीकरण अनिवार्य किया गया है जिसकी वैधता अधिकतम 5 वर्ष होगी। यह अनिवार्य प्रमाणन विज्ञापन या संचालन के लिए आवश्यक होगा। साथ ही शिकायतों के निपटारे की व्यवस्था भी की जा रही है।

संबंधित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को शिकायत देनी होगी, जिसका उसे समाधान करना होगा। संतुष्ट न होने पर प्राधिकरण तक अपील की जा सकती है। ड्राफ्ट नियमों के अनुसार, ई-स्पोर्ट्सः युवा मामले मंत्रालय के तहत आएंगे। जबकि सामाजिक खेल सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन होंगे। जबकि नियमन की जिम्मेदारी इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय

ट्रेन में चेकिंग कर रही थी रेलवे पुलिस

अचानक एक बैग पर पड़ी नजर, जैसे ही खोलकर देखा तो फटी रह गई आंखें

बहादुरगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने दिल्ली कैंट एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर एक युवक का बैग चैक किया तो उनकी आंखे फटी रह गई। बैग से 80 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। इस दौरान पुलिस ने एक बैग को जब्त किया, जिसमें इतनी बड़ी रकम रखी हुई थी। मौके पर ही युवक को हिरासत में लिया गया, जिससे अब पुलिस पूछताछ कर रही है। जीआरपी थाना पुलिस के अनुसार पकड़े गए युवक की पहचान रोहतक के मायना गांव निवासी राहुल के रूप में हुई है। वह दिल्ली कैंट एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा था और उसके पास से नकदी से भरा बैग बरामद हुआ। प्रारंभिक पूछताछ में जब पुलिस ने राहुल से इतनी बड़ी रकम के बारे में पूछताछ की, तो वह कोई ठोस जानकारी नहीं दे पाया। जांच में सामने आया है कि युवक का परिवार रोहतक में नेहा ज्वेलर्स नाम से ज्वेलरी शॉप चलाता है। पूछताछ के दौरान राहुल ने पुलिस को बताया कि यह रकम दिल्ली से सोना और चांदी खरीदने के लिए ले जाई जा रही थी। हालांकि, इतनी बड़ी रकम नकद ले जाने पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह रकम वैध है या अवैध लेन-देन से जुड़ी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी पुलिस ने बरामद नकदी को कब्जे में लेकर आयकर विभाग को सूचना दे दी है। अब आयकर विभाग इस पूरे मामले की जांच करेगा कि क्या यह रकम घोषित आय का हिस्सा है या फिर टैक्स चोरी और अन्य संदिग्ध गतिविधियों से संबंधित है।

फिलहाल, युवक से पूछताछ जारी है और पुलिस उसके परिवार से भी संपर्क कर रही है ताकि पैसों की वास्तविकता का पता लगाया जा सके। बहादुरगढ़ के जीआरपी थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि युवक से उन्होंने कई बार पूछताछ की है। हर बार युवक अलग-अलग जवाब दे रहा है। यह पैसा हवाला का भी हो सकता है इसलिए मामले की छानबीन विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है।

लकड़ी के कारखाने में लगी आग:3 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने पाया काबू

इंदौर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर के मालवा मिल इलाके में-शुक्रवार की देर रात करीब 3 बजे एक लकड़ी के कारखाने में आग लग गई। हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग ने कारखाने में रखे लाखों रुपए के लकड़ी और कच्चे माल को जलाकर खाक कर दिया। आग केसर इंटरप्राइजेस नाम के कारखाने में लगी, जो लकड़ी का सामान और कच्चा माल तैयार करने का काम करता है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 10 टैंकर पानी की मदद से आग पर काबू पाया गया। फिलहाल एक दमकल वाहन अभी भी मौके पर मौजूद है,

राहुल गांधी के लोकतंत्र खतरे में है, वाले बयान पर अमेरिका के पूर्व अधिकारी रेमंड विकरी ने उन्हें दी सीख

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के लोकतंत्र खतरे में है वाले बयान को लेकर अमेरिका के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी रेमंड विकरी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चाहे किसी भी दल से जुड़े.हों लेकिन उन्हें हमेशा बयान देते समय भारतीय मूल्यों और उसके हितों का ख्याल रखना चाहिए।

विकरी ने कहा कि साझा मूल्यों पर बोलने की द्विदलीय व्यवस्था अमेरिका और भारत दोनों में ही ध्वस्त हो गई है। मैं उम्मीद करता हूं कि दोनों राजनीतिक दलों के भारतीय नेता भारतीय मूल्यों के पक्ष में और भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए बोलेंगे। हमने स्वतंत्र विश्व के नेताओं के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका के मूल्यों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया। और वह द्विदलीय व्यवस्था थी, जिसमें रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों शामिल थे, जो अमेरिका में ध्वस्त हो गई है, और मुझे डर है कि यह भारत में भी ध्वस्त हो रही है। आपको बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी कोलंबिया यात्रा के दौरान भारत में लोकतंत्र के खतरे में होने की बात कही थी। उन्होंने भारत की खूबियों के बारे में बात करते हुए कहा कि भारत में तमाम संभावनाएं हैं ।चीन से ज़्यादा आबादी है। चीन की केंद्रित व्यवस्था की जगह भारत विकेंद्रित है और विविधता से भरा है। उन्होंने कहा कि भारत में काफ़ी जटिल व्यवस्था है। भारत की ताक़त चीन से अलग है। भारत में पुरानी आध्यात्मिक और वैचारिक परंपरा भी है जो आज की दुनिया के लिए काफ़ी उपयोगी है। भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है लेकिन कुछ खतरे भी हैं। राहुल गांधी ने कहा था कि लोकतंत्र पर हमला सबसे बड़ा खतरा है।

दरअसल, राहुल गांधी ने भारत की वैश्विक भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा था कि भारत की 1.4 अरब की आबादी में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन भारत का ढांचा चीन से बिल्कुल अलग है।चीन एक केंद्रीकृत और एकरूप प्रणाली वाला देश है, जबकि भारत में अनेक भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और धर्म हैं। भारत की व्यवस्था कहीं अधिक जटिल है। उन्होंने कहा था कि भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है और वह बहुत आशावादी हैं। इसके साथ ही, राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय संरचना में भी कई कमियां हैं, कुछ जोखिम हैं, जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम लोकतंत्र पर हो रहा हमला है।

पंजाबी दंपती को ऑस्ट्रेलिया छोड़ने का आदेश, बेटा वहीं पैदा हुआ इसलिए रह सकता है

जालंधर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागरिकता न मिलने की वजह से भारतीय दंपती को 16 साल बाद ऑस्ट्रेलिया छोड़कर वापस लौटने के आदेश दिए गए हैं। हालांकि उनका 12 साल का बेटा अभिजोत वहीं रह सकेगा क्योंकि वहीं पैदा होने की वजह से वह ऑस्ट्रेलिया का नागरिक बन चुका है। ऑस्ट्रेलिया के नियमों के अनुसार, बच्चा 10 साल का होने के बाद वहां का पक्का नागरिक बन जाता है।

पंजाबी मूल के अमनदीप कौर व स्टीवन सिंह 2009 में ऑस्ट्रेलिया गए थे। वह मेलबर्न के पश्चिमी भाग स्थित विन्धम वेले में बस गए, लेकिन आज तक उन्हें नागरिकता नहीं मिल पाई। इस साल की शुरुआत में उनको सूचित किया गया कि उन्हें नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया छोड़ना होगा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को लेकर छिड़ा विवाद

भोपाल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करने के बाद विवाद में फंस गई है। बीजेपी पर 'हिंदू विरोधी' होने का आरोप लगाते हुए स्क्रीनशॉट वायरल हुए। एक वायरल पोस्ट में दावा किया गया सरकार का हलफनामा 1983 की रामजी महाजन आयोग रिपोर्ट का भी सहारा ले रहा है। हालांकि सरकार ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। वायरल पोस्ट में ऐतिहासिक संदर्भ का जिक्र किया गया। वायरल पोस्ट में दावा किया गया कि मध्य प्रदेश सरकार का सुप्रीम कोर्ट में दिया गया हलफनामा सभी सामान्य जाति के लोगों के लिए एक चेतावनी है। हमेशा हिंदुओं को एकजुट करने का दावा करने वाली पार्टी अब अदालत में हिंदू धर्म को अन्याय, शोषण और बुराई का प्रतीक बता रही है। आरोप लगाए गए कि हलफनामे के कथित अंशों में लगभग 80 फीसदी हिंदुओं के पिछड़ेपन के लिए रामायण और मनुस्मृति जैसे हिंदू धर्मग्रंथों को दोषी ठहराया गया।

इतना ही नहीं, ट्विटर पर वायरल स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि कई अन्य अजीबोगरीब दावे भी इसमें शामिल थे। एक स्क्रीनशॉट में दिखाया गया है कि रामायण में ऋषि शंबूक की हत्या को जातिगत उत्पीड़न के उदाहरण के रूप में पेश किया गया। एक अन्य स्क्रीनशॉट में यह दावा किया गया था कि मनुस्मृति शूद्रों की तुलना जानवरों से करके उन्हें अमानवीय बनाती है। साथ ही उच्च-जाति के प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए हिंदू समाज को सदियों तक जानबूझकर विभाजित रखा गया था। इन दावों को लेकर सरकार ने एक स्पष्टीकरण जारी किया और विवादास्पद अंशों से खुद को पूरी तरह अलग बताया।

सूबे की सरकार ने कहा कि संज्ञान में यह आया है कि शरारती तत्वों की ओर से सोशल मीडिया पर यह कहते हुए कुछ कंटेंट वायरल किया जा रहा है कि वह टिप्पणियां सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश मध्य प्रदेश शासन के ओबीसी आरक्षण से संबंधित प्रकरण के हलफनामे का भाग है। शासन ने कंटेंट का गंभीरता से परीक्षण किया है। ये टिप्पणियां पूरी तौर पर असत्य, मिथ्या और भ्रामक हैं। ये दुष्प्रचार की भावना से किया गया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि वायरल की जा रही सामग्री मध्य प्रदेश सरकार के हलफनामे में उल्लेखित नहीं है और ना ही राज्य की किसी घोषित या स्वीकृत नीति अथवा निर्णय का भाग हैं। उसने कहा कि सामग्री मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष रामजी महाजन की ओर से पेश अंतिम रिपोर्ट (भाग-1) का हिस्सा है। आयोग का गठन 17 नवंबर 1980 को किया गया था। आयोग ने 22 दिसंबर 1983 को अपनी अंतिम रिपोर्ट तत्कालीन राज्य शासन को भेजी थी। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण संबंधित मामले में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट पेश की है। इन रिपोर्ट में महाजन आयोग की रिपोर्ट के साथ-साथ 1994 से 2011 तक के वार्षिक रिपोर्ट व साल 2022 की राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की रिपोर्ट भी शामिल है

मध्य प्रदेश सरकार ने ओबीसी के लिए आरक्षण को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी करने के अपने निर्णय का बचाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पिछड़े समुदाय की की जनसंख्या का 85 फीसदी से अधिक है और वे गंभीर रूप से वंचित हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर 8 अक्टूबर से रोजाना सुनवाई करेगा। 23 सितंबर को दायर अपने हलफनामे में राज्य ने 2011 की जनगणना का हवाला दिया, जिसके अनुसार अनुसूचित जाति (एससी) 15.6%, अनुसूचित जनजाति (एसटी) 21.1% और ओबीसी 51% से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान स्थगित, नई तारीखों की घोषणा जल्द

पीएम मोदी के इस प्रोग्राम के बाद होगा शुरु

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा 3 अक्तबूर से शुरू होने वाले रबी सीजन के विकसित कृषि संकल्प अभियान को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह अभियान दो सप्ताह तक चलना था। नई तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इस महीने उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के लिए एक बड़ा कार्यक्रम करेंगे, जिसमें वह दलहन मिशन की शुरुआत करेंगे। इसी वजह से विकसित कृषि संकल्प अभियान को टाल दिया गया है। माना जा रहा है कि संकल्प अभियान की नई तारीख 11 अक्टूबर या उसके बाद घोषित की जा सकती है। खरीफ सीजन के विकसित कृषि संकल्प अभियान की सफलता के बाद केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने रबी सीजन के अभियान का भी ऐलान किया था। इस अभियान की शुरुआत 3 अक्तबूर से होना थी। लेकिन अभी इसे स्थगित कर दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि, पीएम मोदी इसी माह यूपी में किसानों को लेकर एक बड़ा कार्यक्रम करेंगे। इसमें वह दलहन मिशन की शुरुआत करेंगे। कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पीएम मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाने पर लगे है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ सीजन में 29 मई से 12 जून, 2025 तक पहली बार विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया था। इस अभियान के दौरान वैज्ञानिकों और किसानों के बीच सीधा संवाद हुआ। लैब टू लैंड की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए वैज्ञानिकों की 2170 टीमों ने देशभर के 1.42 लाख से अधिक गांवों में जाकर 1.34 करोड़ से ज्यादा किसानों से मुलाकात की।

राहुल और जुरेल के बाद रविंद्र जडेजा ने भी ठोका शतक

> वेस्टइंडीज पर मंडराने लगा पारी की हार का खतरा > अहमदाबाद टेस्ट का दूसरा दिन भारत के नाम रहा

अहमदाबाद वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट का दूसरा दिन पूरी तरह भारत का नाम रहा। पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 162 रन बनाए थे। पहले दिन भारतीय टीम का स्कोर दो विकेट पर 121 रन था। दूसरे दिन स्टंप तक भारत ने 448 रन बना दिए हैं। पूरे दिन के खेल में वेस्टइंडीज के गेंदबाज तीन ही विकेट ले पाए। पहली पारी में टीम इंडिया के पास 286 रनों की बढ़त हो चुकी है। रविंद्र जडेजा 104 जबकि वॉशिंगटन सुंदर 9 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद हैं।

राहुल और जुरेल के बाद जडेजा का शतक

भारत के लिए स्टंप से ठीक पहले ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने शतक पूरा किया। अपने करियर का 86वां टेस्ट खेल रहे जडेजा का यह छठा शतक है। इंग्लैंड दौरे पर भी उनके बल्ले से शतकीय पारी निकली थी। वहां उन्होंने 5 मैचों में 516 रन बनाए थे। अब वेस्टइंडीज के खिलाफ भी जडेजा ने फॉर्म जारी रखी। 168 गेंद पर 6 चौके और 5 छक्कों की मदद से वह शतक तक पहुंचे। जडेजा से पहले केएल राहुल और ध्रुव जुरेल के बल्ले से भी शतक निकला था। भारत के लिए पहले सेशन में केएल राहुल ने अपना 11 शतक ठोका। 190 गेंदों पर उन्होंने टेस्ट में अपना पहला शतक पूरा किया। हालांकि इसी स्कोर पर लंच के बाद वह आउट हो गए। राहुल शुभमन गिल ने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। गिल ने 100 गेंदों में 50 रन बनाए। उनकी इस पारी में 5 चौके शामिल थे।

इन दोनों बल्लेबाजों को आउट होने के बाद रविंद्र जडेजा और ध्रुव जुरेल की जोड़ी क्रीज पर टिक गई। दोनों ने आसानी से रन बनाए और टीम को 400 रनों के पार तक ले गए। इस दौरान जुरेल ने आखिरी सेशन में अपना पहला टेस्ट शतक लगाया। 210 गेंद पर उन्होंने 15 चौके और 3 छक्कों की मदद से 125 रन बनाए। आउट होने से पहले उन्होंने रविंद्र जडेजा के साथ 5वें विकेट के लिए 206 रनों की साझेदारी बनाई।

शतकीय पारी के साथ विराट कोहली से आगे निकले केएल राहुल

भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी पहले टेस्ट मैच में शतक जड़ा। इसी के साथ केएल राहुल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सर्वाधिक शतक लगाने वाले भारतीयों में विराट कोहली को पछाड़ चुके हैं। केएल राहुल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक कुल 6 शतक लगाए हैं, जबकि विराट कोहली अपने करियर में 5 ही शतक लगा सके थे। वहीं, इस लिस्ट में रोहित शर्मा और शुभमन गिल शीर्ष पर मौजूद हैं।

वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में मीराबाई चानू को सिल्वर मेडल

199 केजी वेट उठाया, पहले भी इस प्रतियोगिता में दो मेडल जीत चुकी हैं

ओस्लो, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नॉर्वे के फोर्डे में आयोजित वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने 48 केजी कैटेगरी में सिल्वर मेडल हासिल किया है। मीराबाई ने कुल 199केजी (84 किग्रा स्नैच + 115 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर यह मेडल अपने नाम किया। स्नैच में वह 87केजी के दो प्रयासों में असफल रहीं।

क्लीन एंड जर्क में उन्होंने शानदार वापसी की और अपने तीनों प्रयास (109 किग्रा, 112 किग्रा और 115 किग्रा) आसानी से पूरे किए। खास बात यह है कि मीराबाई ने आखिरी बार 115केजी का वजन 2021 टोक्यो ओलिंपिक में उठाया था, जहां उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था।

उत्तर कोरिया की रि सोंग गुम चैंपियन बनीं

प्रतियोगिता का गोल्ड मेडल उत्तर कोरिया की रि सोंग गुम के नाम रहा। उन्होंने 213केजी (91 किग्रा स्नैच + 122 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। उनके अंतिम दो प्रयास 120केजी और 122केजी वेट उठाया। इस मुकाबले का ब्रॉन्ज मेडल थाईलैंड की थनयाथोन सुक्चारो ने जीता। उन्होंने 198 किग्रा (88 +110केजी) वजन उठाकर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

चानू का वर्ल्ड चैंपियनशिप में तीसरा मेडल

मीराबाई का वर्ल्ड चैंपियनशिप में तीसरा मेडल है। 2017 में वह वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी हैं और 2022 में भी उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 31 साल की चानू पहले 49 किलो वर्ग में वेटलिफ्टिंग करती थी। हालांकि, 2024 के पेरिस ओलिंपिक में 49 किलो वर्ग हटा दिया गया, जिस वजह से उन्हें 48 किलो वर्ग में शिफ्ट होना पड़ा।

'आजाद कश्मीर' जैसे विवादित बोल के बाद पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर ने दी सफाई

इस्लामाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुरुषों के एशिया कप के बाद अब महिलाओं के वर्ल्ड कप में भी पाकिस्तानी खिलाड़ी विवादों में हैं। पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर को अपने मुल्क की महिला खिलाड़ी के लिए 'आजाद कश्मीर' टिप्पणी पर भारी विवाद के बाद सफाई देनी पड़ी है।

विवादों में घिरने के बाद सना मीर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कैसे चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है और खेलों से जुड़े लोगों पर अनावश्यक दबाव डाला जा रहा है। यह दुखद है कि इसके लिए सार्वजनिक स्तर पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, एक पाकिस्तानी खिलाड़ी के गृहनगर के बारे में मेरी टिप्पणी का उद्देश्य सिर्फ यह बताना था कि पाकिस्तान के एक खास क्षेत्र से आने के कारण उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और उनका अविश्वसनीय सफर कैसा रहा। यह उस कहानी का हिस्सा है, जो हम कमेंटेटर के तौर पर बताते हैं कि खिलाड़ी कहां से आते हैं।

पूर्व कप्तान ने कहा, मैंने गुरुवार को दूसरे क्षेत्रों से आने वाले दो अन्य खिलाड़ियों के लिए भी ऐसा ही किया। इसका राजनीतिकरण न करें। वर्ल्ड फीड पर एक कमेंटेटर के तौर पर, हमारा काम खेल, टीमों और खिलाड़ियों पर फोकस करना है। उनके साहस और दृढ़ता की प्रेरक कहानियों को उजागर करना है। मेरे दिल में कोई दुर्भावना नहीं है या भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। इसके तुरंत बाद उन्होंने इसे 'आजाद कश्मीर' कहा। सना मीर ने कहा, नतालिया, जो कश्मीर आजाद कश्मीर से आती हैं, लाहौर में बहुत क्रिकेट खेलती हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 : विश्व कप का आधिकारिक मैच बॉल 'ट्रियोन्डा' लॉन्च

> तीन देशों की एकता और जुनून का प्रतीक

ज्यूरिख, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए आधिकारिक मैच बॉल 'ट्रियोन्डा' का अनावरण कर दिया गया है। यह टूर्नामेंट कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजबानी में आयोजित होगा और किक-ऑफ में अब केवल नौ महीने का समय बाकी है। फीफा और एडिडास ने मिलकर इस ऐतिहासिक बॉल को तैयार किया है, जो पहली बार तीन देशों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हो रहे विश्व कप की एकता और जुनून को दर्शाती है।

'तीन लहरें' का प्रतीक है ट्रियोन्डा

ट्रियोन्डा नाम का अर्थ स्पेनिश भाषा से लिया गया है, जिसका मतलब है 'तीन लहरें'। यह नाम उन तीन मेजबान देशों- कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका को मिलाकर इस वर्ल्ड कप की मेजबानी के जश्न को दर्शाता है। फीफा ने कहा कि यह बॉल सिर्फ एक खेल उपकरण नहीं, बल्कि तीनों राष्ट्रों की साझी ताकत और फुटबॉल प्रेम का प्रतीक है।

फीफा अध्यक्ष इन्फैन्टिनो ने की तारीफ

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने लॉन्च के दौरान कहा, 'फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आधिकारिक मैच बॉल आ चुका है और यह वाकई शानदार है। एडिडास ने एक और आइकॉनिक बॉल बनाई है, जिसका डिजाइन अगले साल की मेजबान टीमों- कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका की एकता और जुनून को प्रतिबिंबित करता है। मैं इंतजार नहीं कर पा रहा कि यह खूबसूरत बॉल गोलपोस्ट में जाते हुए दिखे।'

डिजाइन और रंगों से मेजबान देशों को दी गई पहचान

इस बॉल का डिजाइन बेहद खास है। इसमें लाल, हरे और नीले रंगों का उपयोग किया गया है, जो तीनों मेजबान देशों की पहचान को दर्शाते हैं। कनाडा के लिए इसमें मैपल लीफ (मेपल का पत्ता), मैक्सिको के लिए ईगल (गरुड़) और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए स्टार का प्रतीक शामिल किया गया है। इसके अलावा, सुनहरे रंग की सजावट फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी को दर्शाती है और इस टूर्नामेंट की ऐतिहासिक अहमियत को रेखांकित करती है।

तकनीकी विशेषताएं और परफॉर्मेंस

ट्रियोन्डा सिर्फ खूबसूरत ही नहीं, बल्कि तकनीकी रूप से भी अत्याधुनिक है। इसमें चार-पैनल कंस्ट्रक्शन दिया गया है, जो गहराई वाली सिलाई के साथ बनाया गया है। यह हवा में उड़ान के दौरान गेंद की स्थिरता को बेहतर बनाता है और खिलाड़ियों को शॉट मारने या पास देने में ज्यादा नियंत्रण देता है। इसके अलावा, बॉल पर उभरे हुए विशेष चिह्न भी मौजूद हैं, जो नजदीक से ही दिखाई देते हैं। ये गीले या उमस भरे मौसम में बॉल की पकड़ को मजबूत करते हैं।

रोमा ने तीन बार पेनल्टी गंवाई, भुगतना पड़ा अंजाम-लिली ने 1-0 से हराया

रोम, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। रोमा ने मैच के आखिर मिनटों में पेनल्टी स्पॉट से लगातार तीन प्रयास गंवा दिए जिससे लिली ने यूरोपा लीग फुटबॉल में इटली की इस क्लब को 1-0 से हरा दिया। रोमा को मुकाबले में बराबरी करने के लिए स्पॉट से तीन मौके दिये गये लेकिन आर्टेम डोवबिक के शुरुआती दो प्रयास पर गोलकीपर बर्क ओजर ने शानदार बचाव किया। रेफरी ने गोल पोस्ट के पास अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण फिर से पेनल्टी का आदेश दिया। रोमा ने इस बार पेनल्टी लेने के लिए माटियास सोले को चुना लेकिन ओजर ने उनके प्रयास को भी विफल कर दिया। इससे पहले मैच के छठे मिनट में हाकोन अर्नार हेराल्डसन ने गोल कर फ्रांस की इस टीम का खाता खोला। लिली की यह दो मैचों में लगातार दूसरी जीत है। अन्य मैचों में ब्रागा ने सेल्टिक और रीयाल बेटिस ने लुडोगोरेट्स को एक समान 2-0 से हराया। केरेम अकतुर्कोग्लू के दो गोल की मदद से फेनरबाचे ने नीस पर 2-1 से जीत दर्ज की। गो अहेड ईगल्स ने इसी अंतर से पैनाथिनाइकोस को हराया।

'संन्यास के बारे में नहीं सोच रही, मानसिक मजबूती पर ध्यान', बोलीं तीरंदाज दीपिका कुमारी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की अनुभवी तीरंदाज और चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रही हैं। उन्होंने कहा कि उनका पूरा ध्यान मानसिक मजबूती और तकनीकी कौशल को निखारने पर है ताकि आने वाले वर्षों में बड़े टूर्नामेंटों में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 पर नजर

दीपिका कुमारी ने कहा कि उनका अगला बड़ा लक्ष्य लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 है, जहां उनकी उम्र 34 वर्ष होगी। उन्होंने माना कि यह उनके लिए "करो या मरो" वाला मौका होगा। दीपिका ने कहा, 'यह मेरे करियर का अंतिम चरण नहीं है। मैंने संन्यास पर कोई फैसला नहीं किया है। अब तक के अनुभवों ने मुझे मजबूत बनाया है और मैं उसी के सहारे आगे बढ़ रही हूं।'

मानसिक और तकनीकी प्रशिक्षण पर जोर

दीपिका ने बताया कि उनकी मौजूदा ट्रेनिंग का फोकस मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं। कई बार महत्वपूर्ण मैचों में मानसिक दबाव की वजह से परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आते थे। अब मैं अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखकर मानसिक प्रशिक्षण कर रही हूं।' उन्होंने माना कि दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो बढ़ता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को मजबूत बनाता है। दीपिका ने कहा कि तीरंदाजी प्रीमियर लीग जैसे आयोजन खिलाड़ियों को उस दबाव से निपटने का अवसर देते हैं।

कंपाउंड तीरंदाजी के ओलंपिक में शामिल होने से खुश

दीपिका ने हाल ही में ओलंपिक में कंपाउंड तीरंदाजी को शामिल किए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे भारत की पदक संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि कंपाउंड तीरंदाजी अब ओलंपिक का हिस्सा है। हमारी टीम पहले ही कई टूर्नामेंटों में पदक जीत चुकी है और बेहद मजबूत है।'

तीरंदाजी प्रीमियर लीग को बताया ऐतिहासिक कदम

भारत में पहली बार आयोजित हो रही तीरंदाजी प्रीमियर लीग को दीपिका ने ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा, 'हम लंबे समय से इस तरह की लीग का इंतजार कर रहे थे। यह तीरंदाजों को घरेलू स्तर पर बड़े मंच का अनुभव देगा और हमारे खेल को नई ऊंचाईयों तक ले जाएगा।'

भारत 'ए' महिला हॉकी टीम पांच मैचों के लिए चीन का दौरा करेगी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत 'ए' महिला हॉकी टीम चीन के दौरे पर 13 से 21 अक्तूबर तक लियाओनिंग टीम के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। ये सभी मुकाबले दालियान के लियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। यह दौरा भारतीय महिला हॉकी के भविष्य के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें उभरती हुई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय अनुभव और मैच अभ्यास हासिल कर सकेंगी। आठ दिन के इस दौरे पर टीम 13, 15, 17, 19 और 21 अक्तूबर को लियाओनिंग टीम को चुनौती देगी।

इस दौरे का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में खुद को परखने और नयी चुनौतियों के लिए तैयार करने का मौका देना है। अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान टीम की कमान संभालेंगी जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम के विश्लेषणात्मक कोच डेव स्मोलेनार्स इस दौरे के लिए मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। स्मोलेनार्स ने जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमने एक मजबूत और युवा टीम तैयार की है जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं। चीन में होने वाली यह सीरीज खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने नए माहौल में सीखने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का शानदार मौका देगी।'

रावत के शानदार शतक से देहरादून वॉरियर्स की धमाकेदार जीत, टिहरी टाइटन्स टूर्नामेंट से बाहर

देहरादून, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बारिश से प्रभावित उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) 2025 के एक महत्वपूर्ण मुकाबले में देहरादून वॉरियर्स ने टिहरी टाइटन्स को नौ विकेट से हराकर फाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा।

देहरादून वॉरियर्स ने 15 ओवर में मिले 143 रनों के लक्ष्य को ओपनर संस्कार रावत के शानदार शतक (116 रन) की मदद से दो ओवर शेष रहते ही आसानी से हासिल कर लिया। बारिश के कारण मैच देर से शुरू हुआ, जिसके चलते मुकाबले को 15-15 ओवर का कर दिया गया था। फाइनल में जगह बनाने के लिए यह मैच दोनों टीमों के लिए 'करो या मरो' की स्थिति वाला था। इस जीत के साथ देहरादून वॉरियर्स की उम्मीदें बरकरार हैं, जबकि टिहरी टाइटन्स टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टिहरी टाइटन्स ने निर्धारित 15 ओवरों में 142/7 का स्कोर बनाया। ईशान जगूड़ी ने 10 गेंदों में 23 रन बनाकर तेज शुरुआत दी। हालांकि, नियमित अंतराल पर विकेट गिरे। मध्यक्रम में, भानु प्रताप सिंह ने एक छोर संभाले रखा और सिर्फ 28 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए, जिसमें पाँच छक्के शामिल थे।

महिला विश्व कप 2025 का सबसे एकतरफा मुकाबला

साउथ अफ्रीका 69 रनों पर सिमटी, इंग्लैंड की आसान जीत

गुवाहाटी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप 2025 का सबसे एकतरफा मुकाबला खेला गया। साउथ अफ्रीका की महिला टीम टॉस हारने के बाद पहले बैटिंग के लिए उतरी। टीम की पारी 21वें ओवर में सिर्फ 69 रनों पर सिमट गई।

15वें ओवर में इंग्लैंड ने बिना कोई विकेट खोए लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह टीम को 10 विकेट से जीत मिली। इस टूर्नामेंट में यह दोनों ही टीमों का पहला मुकाबला था। यह दक्षिण अफ्रीका का महिला विश्व कप इतिहास में दूसरा न्यूनतम स्कोर है। इंग्लैंड के लिए बाएं हाथ की स्पिनर लिंसे स्मिथ ने सात रन देकर तीन विकेट झटके। उनके अलावा कप्तान नैट साइवर ब्रंट को 2-2 विकेट मिले। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 20.4 ओवर में ढेर हो गई, उसके लिए विकेटकीपर बल्लेबाज सिनाओ जाफ्टा ही दोहरे अंक के स्कोर तक पहुंच सकीं। उन्होंने 22 रनों की पारी खेली। टीम को 8 रन वाइड से मिली और यह दूसरा हाईस्ट स्कोरर रहा। पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और टॉस जीतकर फील्डिंग का फैसला करने वाली इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में ही स्मिथ को गेंद थमा दी। स्मिथ ने दूसरे ओवर की दूसरी ही गेंद पर एक आसान रिटर्न कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट को आउट कर दिया।

सेंथिलकुमार-चोटरानी का निराशाजनक प्रदर्शन चार्लोट्सविले ओपन के क्वार्टर फाइनल से बाहर

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार और वीर चोटरानी अमेरिका के चार्लोट्सविले में आयोजित पीएसए कांस्य स्तर की प्रतियोगिता चार्लोट्सविले ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन किया और स्क्वैश के अपने-अपने क्वार्टर फाइन मैचों में हार गए। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार को सलमान खलील के हाथों हार का सामना करना पड़ा। मिस्र के खिलाड़ी ने सेंथिलकुमार पर 12-10, 9-11, 11-8, 11-3 से जीत हासिल की। सातवीं वरीयता प्राप्त चोटरानी अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त टिमोथी ब्राउनेल से 6-11, 11-9, 1-11, 6-11 से हार गए।

दीपावली की तारीख को लेकर पंचांग में भेद

20 और 21 अक्टूबर को रहेगी कार्तिक अमावस्या

20 तारीख की रात लक्ष्मी पूजा करना ज्यादा उचित

इस साल दिवाली की तारीख को लेकर पंचांग भेद हैं। पंचांगों में तिथियों के घट-बढ़ के कारण कार्तिक मास की अमावस्या दो दिन 20 और 21 अक्टूबर को है। विद्वानों और ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक, इस वर्ष दिवाली 20 अक्टूबर को मनाना उचित रहेगा, क्योंकि प्रदोष काल की अमावस्या 20 अक्टूबर को ही पड़ रही है और दीपावली की पूजा रात में करने की परंपरा है। 21 अक्टूबर की शाम को कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा शुरू हो जाएगी।

अक्टूबर की दोपहर करीब 2:30 बजे शुरू होगी और 21 अक्टूबर को दोपहर करीब 3:57 बजे तक ही रहेगी। तिथियों की शुरुआत और खत्म के समय में भी पंचांग भेद हैं। जिस तारीख पर सूर्यास्त के समय अमावस्या तिथि होती है, उस तारीख पर ये पर्व मनाना चाहिए।

लक्ष्मी जी के प्रकट होने की कथा

पौराणिक कथा है कि महालक्ष्मी का प्राकट्य समुद्र मंथन से हुआ है। ये कथा भागवत पुराण, विष्णु पुराण और महाभारत में भी है। जब देवता और असुरों के बीच लगातार संघर्ष होने लगा, तो देवताओं की शक्ति क्षीण होने लगी। तब भगवान विष्णु की सलाह पर देवताओं और असुरों ने मिलकर समुद्र का मंथन करने का निश्चय किया, जिससे अमृत की प्राप्ति हो सके।

समुद्र मंथन के लिए मंदराचल पर्वत को मथनी और वासुकी नाग को रस्सी बनाया गया। यह कार्य अत्यंत कठिन था, लेकिन मंथन से अनेक अमूल्य रत्न, दिव्य वस्तुएं और देवियां उत्पन्न हुईं। इसी मंथन से माता लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ। जब देवी लक्ष्मी प्रकट हुईं, तो उनके हाथ में कमल था और उनका स्वरूप अद्भुत तेज से युक्त था। सभी देवता, ऋषि, गंधर्व और सिद्धजन उनकी सुंदरता और तेज से मंत्रमुग्ध हो गए।

माता लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को अपना पति स्वीकार किया और उन्हें वरमाला पहनाई। माता लक्ष्मी को समृद्धि, सौभाग्य, धन और वैभव की देवी कहा जाता है।

वाराणसी का संकटमोचन मंदिर जहां हनुमान जी ने तुलसीदास को दिए थे दर्शन

देश के ऐतिहासिक मंदिरों में शामिल आज हम आपको पवनपुत्र हनुमान जी के एक ऐसे ही चमत्कारिक मंदिर के दर्शन करवाने जा रहें हैं जिसका इतिहास करीब 400 साल पुराना है। आपको बता दें ये वो जगह है जहां हनुमान जी ने राम भक्त गोस्वामी तुलसीदास को दर्शन दिए थे, जिसके बाद बजरंगबली मिट्टी का स्वरूप धारण कर यहीं स्थापित हो गए। बताया जाता है कि संवत 1631 और 1680 के बीच इस मंदिर का निर्माण हुआ था। इसकी स्थापना तुलसीदास ने कराई थी। मान्यता है कि जब वे काशी में रह कर रामचरितमानस लिख रहे थे, तब उनके प्रेरणा स्त्रोत संकट मोचन हनुमान ही थे। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां आने वाले भक्तों के सभी कष्ट हनुमान के दर्शन मात्र से ही दूर हो जाते हैं। संकट मोचन नाम से प्रसिद्ध ये मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी काशी में स्थित है।

इस मंदिर से जुड़ी धार्मिक मान्यता के अनुसार, तुलसीदास स्नान-दान के बाद गंगा के उस पार जाते थे। वहां एक सूखा बबूल का पेड़ था। ऐसे में वे जब भी उस जगह जाते, एक लोटा पानी उस पेड़ को डाल देते थे। धीरे-धीरे वह पेड़ हरा होने लगा। एक दिन पानी डालते समय तुलसीदास को पेड़ पर किसी की परछाई दिखी। उसने तुलसीदास जी से कहा- 'क्या आप राम से मिलना चाहते हैं? मैं आपको उनसे मिला सकता हूं..' इस पर उन्होंने हैरानी से पूछा- 'तुम मुझे राम से कैसे मिला सकते हो?' उस भूत ने बताया कि इसके लिए आपको हनुमान से मिलना पड़ेगा। काशी के कर्णघंटा में राम का मंदिर है। वहां सबसे आखिरी में एक कुष्ठ रोगी बैठा होगा, वो हनुमान हैं। ये सुनकर तुलसीदास तुरंत उस मंदिर में गए। जैसे ही तुलसीदास उस कुष्ठ रोगी से मिलने के लिए उसके पास गए, वो वहां से चला गया।

तुलसीदास भी उनके पीछे-पीछे चलते रहे। आज जिस क्षेत्र को अस्सी कहा जाता है, उसे पहले आनद कानन वन कहते थे। यहां पहुंचने पर उन्होंने सोचा कि अब तो जंगल आ गया है, पता नहीं यह व्यक्ति कहां तक जाएगा। ऐसे में उन्होंने उसके पैर पकड़ लिए और कहा कि आप ही हनुमान हैं, कृप्या मुझे दर्शन दीजिए। इसके बाद बजरंग बली ने उन्हें दर्शन दिया और उनके आग्रह करने पर मिट्टी का रूप धारण कर यहीं स्थापित हो गए, जो आज संकट मोचन मंदिर के नाम से जाना जाता है। तुलसीदास के बारे में कहा जाता है कि वे हनुमान के अभिन्न भक्त थे।

एक बार तुलसीदास के बांह में पीड़ा होने लगी, तो वे उनसे शिकायत करने लगे। उन्होंने कहा कि 'आप सभी के संकट दूर करते हैं, मेरा कष्ट दूर नहीं करेंगे' इसके बाद नाराज होकर उन्होंने हनुमान बाहुक लिख डाली। बताया जाता है कि यह ग्रंथ लिखने के बाद ही उनकी पीड़ा खुद ही समाप्त हो गई।

जिससे अपमान हुआ, उसी को सफलता में बदल दें

अपमान सभी का होता है। कभी हम किसी का अपमान कर जाते हैं और दूसरों के द्वारा तो अपमानित होते ही रहते हैं। अपमान का भी जवाब दिया जा सकता है। दो तरीके हैं। पहला, सम्मान प्रकट कर दें। और दूसरा, जिस घटना के कारण अपमान हुआ, उसको सफलता में बदल दें। यह भी अपनी बेइज्जती का बड़ा जवाब बन जाएगा। क्योंकि, जैसे ही कोई हमारा अपमान करता है तो करने वाला तो अहंकार से प्रेरित था ही, हमारे भी अहंकार को चोट लगती है। और अगर हम अहंकार को सहलाने में ऊर्जा लगाएंगे तो अपमान का जवाब ठीक से नहीं दे पाएंगे। रावण ने अपनी सभा में हनुमान जी का जमकर अपमान किया। हनुमान जी ने दोनों रास्ते अपनाए। पहले तो रावण को सम्मान दिया। सुंदरकांड में उसका वर्णन है। और उसके बाद देखा कि रावण को सम्मान देने का कोई फायदा नहीं है तो उन्होंने लंका जला दी। लंका दहन सफलता के सर्वोच्च मापदंड में गिना जाता है। और रावण को जवाब मिल गया। हम भी अपमान के प्रति ये दो काम कर सकते हैं।

जब मेहनत के बाद भी सफलता न मिले तो जरूर पढ़ें, स्वामी विवेकानंद की ये कहानी

स्वामी विवेकानंद से एक दुखी व्यक्ति ने पूछा, "मैं खूब मेहनत करता हूं लेकिन कभी भी सफल नहीं हो पाया।" स्वामी जी ने पल भर में उसकी परेशानी को समझ लिया। उन्होंने अपना पालतू कुत्ता उस व्यक्ति को सौंपा और कहा, "तुम कुछ देर मेरे इस कुत्ते को सैर करा लाओ, फिर मैं तुम्हारे सवाल का जवाब दूंगा।"

काफी देर तक वह व्यक्ति कुत्ते को सैर कराता रहा। बाद में जब वह कुत्ते को लेकर स्वामी जी के पास लौटा तो उसके चेहरे पर थकान का कोई निशान नहीं था, लगता नहीं था कि वह मेहनत करके आया है, मगर कुत्ता बुरी तरह से हांफ रहा था और थका हुआ लग रहा था।

स्वामी जी ने उस व्यक्ति से पूछा, "यह कुत्ता इतना हांफ क्यों रहा है? यह थका हुआ लग रहा है, जबकि तुम पहले की तरह ही तरो-ताजा दिख रहे हो।"

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, "स्वामी जी! मैं तो सीधा-सीधा अपने रास्ते पर चल रहा था, पर यह कुत्ता तो दौड़ता ही रहा। यह गली के सभी कुत्तों के पीछे भागता और उनसे लड़कर फिर मेरे पास वापस आ जाता। हम दोनों ने एक समान रास्ता तय किया पर इसने मेरे से कहीं ज्यादा दौड़ लगाई, इसलिए यह ज्यादा थक गया है।"

स्वामी जी मुस्कुराए और कहा, "यही तुम्हारे प्रश्न का जवाब है। तुम मंजिल पर सीधे जाने के बजाय दूसरे लोगों के पीछे भागते रहते हो, उसमें तुम्हारी काफी ऊर्जा लगती है। रास्ता उतना ही तय होता है पर तुम बुरी तरह थक जाते हो।" स्वामी जी की बात सुन उस आदमी की आंखें खुल गईं।

शिव की नगरी में देव दीपावली का महामहोत्सव, 16 लाख दीयों से सजेगा काशी का कण-कण

धर्म नगरी काशी में इस बार 84 से अधिक घाटों पर 16 लाख से ज़्यादा दीये जलाए जाएंगे, जिससे गंगा के दोनों किनारे असंख्य दीपों की माला से जगमगा उठेंगे। पर्यटन विभाग इस अद्भुत छटा को साकार करने में जुटा हुआ है, और मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने भी इस महाउत्सव की विस्तृत योजना बनाई है। चेतसिंह घाट पर एक नए ढंग का लेजर शो आयोजित होगा।

इसमें देव दीपावली के महत्व के साथ-साथ काशी विश्वनाथ और मां गंगा की महिमा पर्यटकों को सुनाई जाएगी।

आसमान को रोशन करने के लिए ग्रीन आतिशबाजी का एक शानदार फायर क्रैकर शो भी होगा, जिसकी थीम भी काशी पर आधारित होगी। विभिन्न घाटों पर सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन भी होंगे जो इस पर्व की रौनक को और बढ़ा देंगे। इस महाउत्सव के लिए नगर निगम को घाटों की सफाई के लिए ज़रूरी निर्देश दिए गए हैं।

पर्यटन और रोजगार को मिलेगी संजीवनी

टूरिज्म वेलफेयर एसोसिएशन के राहुल मेहता का कहना है कि महाकुंभ के बाद काशी में पर्यटकों की संख्या में कमी आई थी। लेकिन, उम्मीद है कि यह देव दीपावली का उत्सव काशी के पर्यटन उद्योग को नई रफ़्तार देगा।

अभी से ही पूछताछ (इंक्वायरी) शुरू हो गई है और देव दीपावली के करीब आते-आते इसमें तेज़ी आने की संभावना है। इसके अलावा, तीन महीनों से बाढ़ के कारण ठप पड़े नाविकों के रोज़गार को भी इस महाउत्सव से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

शरद पूर्णिमा पर भद्रा का साया?

शरद पूर्णिमा का पावन पर्व हर साल आश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि को मनाते हैं। शरद पूर्णिमा को सुबह में व्रत और पूजा करते हैं, वहीं रात के समय में चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं और खीर बनाकर चांद की रोशनी में रखते हैं। इस बार शरद पूर्णिमा के दिन भद्रा का साया है। भद्रा के समय में कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित है। इस भद्रा का वास धरती पर है, इसलिए इसका प्रभाव भी अधिक होगा। भद्रा के समय में शुभ कार्य करने से उसमें बाधाएं आती हैं, उसका फल शुभदायक नहीं माना जाता है। ऐसे में शरद पूर्णिमा की रात खीर कैसे रखेंगे?

शरद पूर्णिमा कब है?

इस साल शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर दिन सोमवार को है। पंचांग के अनुसार, इस बार आश्विन शुक्ल पूर्णिमा तिथि 6 अक्टूबर को दोपहर 12:23 बजे से लेकर 7 अक्टूबर मंगलवार को सुबह 9:16 बजे तक है। आश्विन पूर्णिमा की रात 6 अक्टूबर को है, इसलिए उस दिन ही शरद पूर्णिमा मनाई जाएगी।

शरद पूर्णिमा पर भद्रा का साया

शरद पूर्णिमा के दिन भद्रा का साया है। उस दिन भद्रा का प्रारंभ दोपहर में 12 बजकर 23 मिनट से हो रहा है। यह भद्रा रात में 10 बजकर 53 मिनट तक रहेगी। यदि शरद पूर्णिमा के दिन आपको कोई शुभ कार्य करना है तो भद्रा के प्रारंभ होने से पहले कर लें, लेकिन इसमें भी राहुकाल का ध्यान रखना होगा।

शरद पूर्णिमा के दिन राहुकाल सुबह में 07 बजकर 45 मिनट से सुबह 09 बजकर 13 मिनट तक है। राहुकाल को भी अशुभ फलदायी माना जाता है। हालांकि इस समय में कालसर्प दोष के उपाय करते हैं। इस दिन वृद्धि योग दोपहर में 01 बजकर 14 मिनट तक है। इस योग में आप जो भी शुभ कार्य करेंगे, उसके फल में बढ़ोत्तरी होगी।

भद्रा की वजह से कैसे रखें शरद पूर्णिमा की खीर?

ज्योतिषाचार्य डॉ। तिवारी का कहना है कि भद्रा में शुभ कार्य करने वर्जित हैं क्योंकि वह अशुभ फल देते हैं। शरद पूर्णिमा की रात भद्रा के समय में आप खीर न रखें। भद्रा का समापन रात में 10:53 बजे हो जा रहा है। ऐसे में आप भद्रा के खत्म होने के बाद शरद पूर्णिमा की खीर को बाहर रख दें। लेकिन उस खीर को खाने के लिए आपको रात में काफी देर तक जागना होगा। हालांकि इसमें आप ये कर सकते हैं कि शरद पूर्णिमा की चांदनी में पूरी रात खीर को सुरक्षित रख दें और सुबह में उसका सेवन करें। उस खीर को ऐसे रखना है कि उसमें चंद्रमा की किरणें पड़ती रहें। साथ ही इसका भी ध्यान रखें कि उसमें कोई कीड़ा, कीट आदि न पड़ें और बिल्ली से भी वह सुरक्षित हो।

शरद पूर्णिमा की खीर का महत्व

शरद पूर्णिमा की खीर को सेहत के लिए लाभदायक मानते हैं। इसको खाने से स्वास्थ्य लाभ होता है। ऐसी मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों से अमृत वर्षा होती है। जब वह किरणें खीर में पड़ती हैं तो खीर औषधीय गुणों वाला हो जाता है।

सादगी और सेवा की मिसाल थे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री

एक सामान्य से परिवार में जन्म लेकर देश के प्रधानमंत्री जैसे बड़े पद तक पहुंच कर इस पद की गरिमा को चार चांद लगाने वाले, दुग्ध और हरित क्रांति के जनक लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्तूबर, 1904 को मुगलसराय (उत्तर प्रदेश) में हुआ।

पिता के निधन के चलते उनका जीवन कठिनाई में बीता लेकिन उन्होंने मेहनत तथा लगन से दिखा दिया कि हौसला हो तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

स्वाधीनता संग्राम के दौरान 1921 के असहयोग आंदोलन, 1930 के दांडी मार्च तथा 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों व आंदोलनों में इनकी सक्रिय भागीदारी रही।

साफ-सुथरी छवि और योग्यता के कारण 9 जून, 1964 में देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने। इस दौरान सीमा पर पाकिस्तान को सबक सिखाने से लेकर देश में अन्न की कमी दूर करने तक उत्कृष्ट कार्य किया।

शास्त्री जी को उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारी के लिए आज भी पूरा भारत श्रद्धापूर्वक याद करता है। इन्हें मरणोपरांत 1966 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

अक्टूबर में लग रहा शनि प्रदोष जाने तारीख और मुहूर्त

अक्टूबर का महीना धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इस महीने में दो प्रदोष व्रत होंगे। पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर को है। और इस दिन शनिवार है। ऐसे में अक्टूबर का पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर को होगा। और सबसे बड़ी बात यह है कि यह प्रदोष व्रत शनिवार को होने से शनि प्रदोष व्रत कहलाएगा। लेकिन इसके साथ ही साथ शनिदेव श्रद्धालुओं को साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रतिकूल प्रभाव से बचने के लिए दूसरा मौका भी देंगे। तो आइए विस्तार से जानें अक्टूबर के प्रदोष व्रत की तिथि और मुहूर्त साथ ही जानें इनका महत्व।

अक्टूबर का पहला प्रदोष व्रत

अक्टूबर के महीने में पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर दिन शनिवार को है। पंचांग की गणना के अनुसार शाम 5 बजकर 10 मिनट से त्रयोदशी तिथि लग जाएगी। यह अक्टूबर महीने में शुक्ल पक्ष में लगने वाला प्रदोष व्रत होगा। इस व्रत में भगवान शिव की पूजा के साथ शनि महाराज की पूजा भी करनी

चाहिए। साथ ही पीपल को जल देना चाहिए शाम के समय दीप दिखाना चाहिए। वैसे त्रयोदशी तिथि 5 अक्टूबर को शाम 3 बजकर 4 मिनट तक व्याप्त रहेगी। 4 अक्टूबर प्रदोष व्रत में पूजा का समय शाम 6 बजकर 10 मिनट से 7 बजकर 45 मिनट तक।

अक्टूबर का दूसरा प्रदोष व्रत है सबसे खास

अक्टूबर में दूसरा प्रदोष व्रत 18 अक्टूबर को है। यह भी शनिवार के दिन। यह प्रदोष व्रत कृष्ण पक्ष में किया जाएगा। 18 अक्टूबर को लगने वाला प्रदोष व्रत बेहद खास है क्योंकि इस दिन धनत्रयोदशी का भी संयोग बना है। यानी इस दिन प्रदोष व्रत करने से प्रदोष के साथ ही साथ धनतेरस व्रत का भी पुण्य प्राप्त होगा। इस दिन त्रयोदशी तिथि दिन में 12 बजकर 20 मिनट पर लगेगी। और त्रयोदशी तिथि 19 अक्टूबर को शाम 5 बजकर 50 मिनट तक व्याप्त होगी। जबकि धनतेरस के दिन प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ समय शाम में 5 बजकर 50 मिनट से शाम 7 बजकर 40 मिनट तक रहेगा।

शनि प्रदोष व्रत में शनि शांति के उपाय :

शनि प्रदोष व्रत के दिन यानी अक्टूबर महीने में 4 और 18 तारीख को शनि दोष की शांति के लिए कुछ उपाय जरूर आजमाकर देखना चाहिए।

महामृत्युंजय मंत्र के साथ शिव का दूध और जल से अभिषेक करें।

पीपल को जल दें और काले तिल अर्पित करें। एक तिल का दीपक पीपल को दिखाएं। शाम के समय एक दीप घर की छत पर या घर के बाहर निकाल कर रख दें।

भगवान शिव की पूजा करें और शिव चालीसा का पाठ करें साथ ही शनि स्तोत्र का पाठ पाठ करें।

किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन वस्त्र का दान भी जरूर करें।

मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं। एक सादे कागज पर 108 श्रीराम नाम लिखकर इसे आटे के साथ गूंथ लें। फिर इनकी गोलियों मछलियों के खिला दें।

6 हनुमान चालीसा का पाठ करें और हनुमानजी को सिंदूर का चोला चढाएं।

अभिषेक-ऐश्वर्या ने यूट्यूब पर ठोका चार करोड़ का मुकदमा, किया हाईकोर्ट का रुख

तकनीक और एआई के जरिए सितारों की तस्वीरों और वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उनकी छवि खराब करने का खतरा काफी बढ़ा है। कुछ दिनों पहले ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने अपने व्यक्तित्व प्रतीकों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब कपल ने एक बार फिर हाईकोर्ट का रुख किया है। ऐश्वर्या और अभिषेक ने कथित तौर पर गूगल और यूट्यूब के खिलाफ एक्शन लेते हुए चार करोड़ रुपये का मुकदमा ठोका है। ऐश्वर्या और अभिषेक ने गूगल-यूट्यूब प्लेटफॉर्म्स पर डीपफेक और अनधिकृत एआई कंटेंट में उनकी तस्वीरों और वीडियो का दुरुपयोग करने की अनुमति देने का आरोप लगाया है।

मुकदमें में अभिषेक-ऐश्वर्या ने क्या कहा?

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन ने कथित तौर पर यूट्यूब और उसकी पैरेंट कंपनी गूगल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अभिषेक और ऐश्वर्या ने चार करोड़ रुपये का केस किया है। फ्री प्रेस जर्नल के अनुसार, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक-ऐश्वर्या ने तर्क दिया है कि यूट्यूब के कंटेंट और थर्ड-पार्टी ट्रेनिंग पॉलीसी चिंताजनक हैं। मामले को आगे स्पष्ट करते हुए दस्तावेजों में कहा गया है, 'एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहे ऐसे कंटेंट से किसी भी उल्लंघनकारी कंटेंट के इस्तेमाल की घटनाओं में कई गुना इजाफा होने की संभावना है। यानी पहले यूट्यूब पर अपलोड किए जा रहे कंटेंट जनता द्वारा देखा जाना और फिर प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किया जाना'।

आपत्तिजनक कंटेंट पर जताई चिंता

कपल के मुकदमे में अश्लील एवं आपत्तिजनक एआई-जनित कंटेंट पर निशाना साधा है। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन का कहना है कि यूट्यूब को ऐसे सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए, जिससे उनके नाम, आवाज और तस्वीरों का गलत इस्तेमाल एआई कंटेंट में न किया जा सके।

इस चैनल में एक यूट्यूब चैनल का जिक्र भी किया गया है, जिस पर ऐश्वर्या राय और सलमान खान को कथित तौर पर आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है।

'कभी एक शो के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था' कांतारा चैप्टर 1 की सफलता पर भावुक हुए ऋषभ

साल 2022 में रिलीज हुई 'कांतारा' फिल्म की अगली कड़ी 'कांतारा चैप्टर 1' रिलीज हो चुकी है। ऋषभ शेट्टी निर्देशित 'कांतारा चैप्टर 1' ने पहले दिन ही 60 करोड़ रुपये की कमाई की है। दूसरे दिन भी यह शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म को मिले इतने प्यार के लिए ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों का, फैंस का शुक्रिया अदा किया है।

24 घंटे में बिके 1 मिलियन से अधिक टिकट

'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा गया, 'कांतारा चैप्टर 1' की धूम पूरे देश में गूंज रही है। 24 घंटों में 1.28 मिलियन से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने साल 2025 में पहले दिन बुकमॉयशोइन पर सबसे ज्यादा टिकट ब्रिकी दर्ज की है।

ऋषभ ने शुरुआती दौर के स्ट्रगल का जिक्र किया

ऋषभ शेट्टी ने अपनी फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की सफलता को लेकर जानकारी दी। इसके साथ ही अपना एक पुराना ट्वीट भी शेयर किया है। जिसमें वह अपने स्ट्रगल का जिक्र करते हैं।

ऋषभ शेट्टी ने पुराने ट्वीट में लिखा है, '2016 में एक ईवनिंग शो पाने के लिए संघर्ष करने से लेकर 2025 में 5000 से ज्यादा हाउसफुल शो तक का सफर। यह सफर आपके प्यार, सपोर्ट और भगवान की कृपा के अलावा और कुछ नहीं है। इसे संभव बनाने वाले हर एक व्यक्ति का हमेशा आभारी रहूंगा।'

फिल्म को ऑनलाइन शेयर ना करने की गुजारिश की

अभिनेता, निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों से गुजारिश की है कि फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' के वीडियो रिकॉर्ड करके ऑनलाइन शेयर ना करें। वह एक अन्य एक्स (ट्विटर) पोस्ट में लिखते हैं, 'फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है। आपके प्यार ने इसे सचमुच यादगार बना दिया है। हम आपसे गुजारिश करते हैं कि फिल्म के वीडियो शेयर/रिकॉर्ड न करें और पायरेसी को बढ़ावा न दें।'

एकजुट होकर डिजिटल सुरक्षा के लिए लें संकल्प : रानी मुखर्जी

नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने साइबर सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने मौजूदा वक्त के डिजिटल प्लेटफॉर्म के युग में साइबर क्राइम को महिलाओं व बच्चों के लिए एक बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के खिलाफ हम सबको एकजुट होकर लड़ना है और इससे पार पाना है।

शूटिंग छोड़कर कार्यक्रम में पहुंचीं रानी

रानी मुखर्जी मुंबई के राज्य पुलिस मुख्यालय में साइबर जागरूकता माह 2025 के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनीं। इस दौरान उन्होंने इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए, इसे अपने लिए सम्मान की बात बताई। अभिनेत्री ने कहा कि वर्षों से अपनी फिल्मों के माध्यम से मुझे उन महिलाओं का चित्रण करने का सौभाग्य मिला है, जो अन्याय के खिलाफ लड़ती हैं और कमजोर लोगों की रक्षा करती हैं। वास्तव में आज मैं 'मर्दानी 3' की शूटिंग से भागकर यहां आई हूं, इसलिए यह सब एक अद्भुत एहसास लग रहा है। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा की गई यह पहल सराहनीय है।

मैं समझती हूं कितना जरूरी है साइबर सुरक्षा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि आज साइबर अपराध, खासकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध हमारे घरों में चुपचाप बढ़ रहे हैं। एक महिला और एक मां होने के नाते मैं समझती हूं कि जागरूकता कितनी जरूरी है। जब परिवारों को पता होता है कि कैसे सुरक्षित रहना है और कहां मदद लेनी है, तो असली सुरक्षा शुरू होती है। मैं साइबर सुरक्षा के इस महत्वपूर्ण मिशन को प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एसीएस इकबाल सिंह चहल और डीजीपी रश्मि शुक्ला का भी धन्यवाद करती हूं।

एकजुट होकर लें संकल्प

राज्य में बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों के महत्व पर बात करते हुए रानी ने कहा कि डायल 1930 और डायल 1945 हेल्पलाइन सभी नागरिकों के लिए एक वरदान हैं। एक अभिनेत्री के रूप में मैं कहानियों को पर्दे पर दिखा सकती हूं। लेकिन एक महिला, एक मां और एक नागरिक होने के नाते मुझे लगता है कि यह सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है कि कोई भी बच्चा चुपचाप न रोए, कोई भी महिला असुरक्षित महसूस न करे और कोई भी परिवार साइबर अपराध के कारण मानसिक शांति न खोए। आइए आज हम सतर्क रहने, आवाज उठाने और सुरक्षित डिजिटल दुनिया के लिए एकजुट होने का संकल्प लें।

मीरा राजपूत ने 'होमबाउंड' में देवर ईशान खट्टर के प्रदर्शन की तारीफ की

फिल्म अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी, बिजनेसवुमन, लेखिका और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीरा राजपूत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल की स्टोरी पर फिल्म 'होमबाउंड' की तारीफ में एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने देवर ईशान खट्टर की तारीफों के पुल भी बांधे हैं।

मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम हैंडल की स्टोरी पर 'होमबाउंड' की फिल्म का एक स्क्रिनशॉट शेयर किया और साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने देवर ईशान खट्टर की नई फिल्म 'होमबाउंड' में उनके शानदार अभिनय की सराहना की। मीरा ने फिल्म देखने के बाद एक भावुक पोस्ट शेयर किया और उन्होंने लिखा कि फिल्म देखकर उन्हें बहुत कुछ महसूस हुआ, लेकिन शब्दों में बयान करना मुश्किल था। उन्होंने कहा, 'कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो दिल को छू जाती हैं। तब चुप्पी ही सबसे बड़ी ताली बजती है और आंसू ही सच्ची तारीफ होते हैं।'

ईशान के लिए मीरा ने लिखी खास बात

मीरा ने अपने देवर ईशान के लिए लिखा, 'तुमने हम सबका दिल गर्व से भर दिया। अपनी कला से दुनिया को छूते रहो।' उन्होंने विशाल जेठवा की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने किरदार को इतना जीवंत कर दिया। इसके साथ ही मीरा ने फिल्म 'होमबाउंट' के निर्देशक नीरज घायवान को भी धन्यवाद किया।

कैसे है भाभी-देवर का रिश्ता

मीरा और ईशान के बीच बहुत गहरा रिश्ता है। दोनों लगभग एक ही उम्र के हैं, इसलिए वे अच्छे दोस्त भी हैं। मीरा के ये शब्द ईशान की कामयाबी पर उनके प्यार को दर्शाते हैं। मीरा और ईशान अक्सर एक साथ इंस्टाग्राम पर रील्स शेयर करते हैं, जो उनके फैंस को बेहद पसंद आती हैं।

'होमबाउंड' के बारे में

फिल्म 'होमबाउंड' नीरज घायवान ने बनाई है। इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म भारत की ओर से इस साल के ऑस्कर के लिए चुनी गई है। दर्शकों और आलोचकों ने इसके अभिनेताओं के अभिनय की खूब तारीफ की है। यह साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है और ऑस्कर में भारत की उम्मीद बनी हुई है।

मलाइका अरोड़ा के साथ नया शो लेकर आ रहे करण जौहर, फैशन से जुड़े लोगों को देंगे मौका

निर्माता-निर्देशक करण जौहर अब एक नया शो लेकर आ रहे हैं। इस बार इस शो में उनके साथ अभिनेत्री व मॉडल मलाइका अरोड़ा, कॉस्ट्यूम डिजाइन मनीष मल्होत्रा भी नजर आएंगे। यह शो फैशन से संबंधित है, जहां फैशन स्टार्टअप शुरू करने वाले एंटरप्रेन्योर अपने आइडिया लेकर शो में आएंगे। जानिए कब से और कहां देख सकेंगे ये शो?

20 अक्तूबर से आएगा शो

करण जौहर, मलाइका अरोड़ा और मनीष मल्होत्रा फैशन से जुड़ा नया शो 'पिच टू गेट रिच' लेकर आ रहे हैं। शो का फॉर्मेट शॉर्क टैंक जैसा ही है। बस यहां सिर्फ फैशन स्टार्टअप से जुड़े लोग अपने आइडिया लेकर आ सकते हैं। वो पैनल को अपने आइडिया पिच करेंगे यानी सुनाएंगे और अपने स्टार्टअप के बारे में बताएंगे। जिसके बाद ये जज और गेस्ट उसमें पैसा लगाएंगे। शो के ट्रेलर को शेयर करते हुए करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जब फैशन के संस्थापक अमीर बनने के लिए पिच करते हैं, तो कचिंग-कचिंग तो लाजमी है। हॉटस्टार स्पेशल्स, 'पिच टू गेट रिच' 20 अक्तूबर से सिर्फ जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम करगा।'

शो में नजर आएंगे कई सितारे

शो के ट्रेलर में करण, मलाइका और मनीष मल्होत्रा के अलावा भी कई बॉलीवुड सेलेब्स नजर आ रहे हैं। इनमें सारा अली खान, सैफ अली खान, अक्षय कुमार और अनन्या पांडे जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। इस शो में फैशन से जुड़े कपड़ों से लेकर जूते-चप्पल, सैंडल, पर्स और हैंड बैग्स भी शामिल हैं।

करण जौहर के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स

की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा चैप्टर 1' के सामने भी एक सधी शुरुआत की है।

कौन हैं रुक्मिणी वसंत, फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' से चर्चा में आई 28 साल की एक्ट्रेस

ऋषभ शेट्टी की अदाकारी वाली फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रिलीज होते ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी ने शानदार अभिनय किया और दर्शकों को इसकी कहानी भी पसंद आ रही है। इस बीच फिल्म की लीड एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत चर्चा में हैं। फिल्म में वह कमाल की लगी हैं। आइए उनके बारे में जानते हैं।

डांसर हैं रुक्मिणी वसंत

'कांतारा चैप्टर 1' की अदाकारा रुक्मिणी वसंत एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ एक डांसर भी हैं। उन्हें भरतनाट्यम आता है। 10 दिसंबर 1996 को जन्मीं रुक्मिणी वसंत ने लंदन में के रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट से डिग्री हासिल की है। उनके पिता आर्मी अफसर थे जो देश के लिए शहीद हो गए।

कई भाषाओं में किया काम

रुक्मिणी वसंत ने साल 2019 में कन्नड़ भाषा की फिल्म 'बीरबल' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'बघीरा' और 'मद्रासी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं। उन्होंने कन्नड़, हिंदी, तमिल और

तेलुगु फिल्मों में अभिनय किया है। जल्द ही वह अंग्रेजी-कन्नड़ फिल्म 'टॉक्सिक' में अभिनय करने वाली हैं। वह जल्द ही तेलुगु फिल्म 'ड्रैगन' का भी हिस्सा होंगी।

अभिनय के लिए मिला अवॉर्ड

रुक्मिणी वसंत साल 2023 में तब सुर्खियों में आईं जब उन्होंने रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सप्त सागरदाते एलो' में काम किया। इस फिल्म में बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड दिया गया।

रुक्मिणी ने हिंदी फिल्म 'अपस्टार्ट्स' में अभिनय किया है। जहां उन्हें साउथ में अच्छी पहचान मिली है, वहीं वह हिंदी में अभी उभरते हुए सितारे के रूप में जानी जाती हैं।

'कांतारा चैप्टर 1' की स्टारकास्ट

आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत की अदाकारी वाली फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने आज पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। ऋषभ शेट्टी ने इस फिल्म में अभिनय करने के अलावा इसे लिखा है और इसका निर्देशन किया है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी, रुक्मणि वसंत के अलावा गुलशन देवैया और जयराम जैसे सितारे भी हैं।

कपूर खानदान का हिस्सा बनने पर क्या रहा आलिया का रिएक्शन? कही बड़ी बात

हाल ही में आलिया भट्ट, वरुण धवन ने काजोल और ट्विंकवल के टॉक शो 'टू मच' में शिरकत की। इस शो में दोनों ने अपनी जिंदगी से जुड़ी कई बातें साझा की हैं। आलिया भट्ट ने कपूर खानदान का हिस्सा बनने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में भी बताया।

आलिया भट्ट ने साल 2018 में रणबीर कपूर के साथ डेटिंग शुरू की। साल 2022 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए। इसी साल बेटी राहा का जन्म हुआ। आलिया भट्ट को एक खास मौके पर यह अहसास हुआ कि उनकी बेटी राज कपूर खानदान की विरासत का हिस्सा हैं। कौन सा खास मौका था वो? इस बारे अपने इमोशन को आलिया भट्ट ने टॉक शो 'टू मच' में जाहिर किया।

राज कपूर की 100 जयंती पर हुआ अहसास

आलिया भट्ट शो 'टू मच' की होस्ट काजोल और ट्विंकल खन्ना को बताती हैं, 'मुझे लगता है कि

जब आप पूरी तरह से किसी चीज में शामिल होते हैं, रिश्तों से पूरी तरह से जुड़ते हैं, तभी आपको पता चलता है कि आप किस विरासत का हिस्सा बनने जा रहे हैं। हमने राज कपूर जी की 100 जयंती पर बड़ा इवेंट किया था। उस पल मुझे अहसास हुआ, 'राज कपूर राहा के परदादा हैं।' यह जुड़ाव मुझे तभी महसूस हुआ।'

ऋषि कपूर के साथ बॉन्डिंग पर भी बात की

अपने ससुर ऋषि कपूर के साथ बान्डिंग के बारे में भी आलिया भट्ट ने बात की। वह बताती हैं, 'जब हम कपूर एंड सन्स की शूटिंग कर रहे थे, तब मैंने उनके (ऋषि) साथ काफी समय बिताया था। उस समय मैं रणबीर को डेट नहीं कर रही थी। लेकिन ऋषि जी, हमारे साथ हर शाम बाहर घूमने जाते थे। उनके पास सुनाने के लिए बहुत ही शानदार कहानियां होती थीं। हम साथ में डिनर करते थे। मुझे उनकी बहुत याद आती है।'

नोएडा प्राधिकरण की 219वीं बोर्ड बैठक में 8 प्रस्तावों पर लगी मोहर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की 219वीं बोर्ड बैठक में 37 प्रस्तावों में से 8 प्रस्तावों पर मोहर लगी। बाकी के मिनट्स शासन को भेजे गए है। सात से आठ दिन में शासन स्तर से इपन प्रस्तावों पर निर्णय लिया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता दीपक कुमार, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त ने की। बैठक में आलोक कुमार, अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास विभाग और रविकुमार एनजी सीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और लोकेश एम सीईओ नोएडा प्राधिकरण मौजूद रहे।

300 टीडीपी का बनेगा प्लांट

नोएडा में वर्तमान में 1000 टीडीपी कूडा निकल रहा है। भविष्य में 1200 से लेकर 1500 टीडीपी कूड़ा होगा। प्राधिकरण का एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड कुल 600 टीडीपी के निपटारे का एग्रीमेंट है। प्लांट लागने का 40 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा डिसेंट्रलाइजड इंटीग्रेटड म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट 40 टीडीपी के 6 यानी 240 टीडीपी लगाए जाएंगे। अब प्राधिकरण प्राधिकरण 300 टीडीपी का एक नया इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट और लगाने जा रहा है। जिसकी क्षमता को ब?ाकर 500 की जा सकती है। यहां एक ही स्थान पर गीले और सूखे कूड़े का निवारण हो जाएगा। इसे सेक्टर-145 में 19.5 एकड़ या अस्तौली में 16.66 एकड़ में लगाया जा सकता है।

बिल्डरों से बकाया वसूलेगी प्राधिकरण

बैठक की शुरुआत बिल्डर बायर्स पर अमिताभ कांत की सिफारिश की शर्तो को लेकर थी। जिसे प्राधिकरण में लागू किया जा चुका है। 29 सितंबर तक कुल 57 बिल्डर परियोजनाओं में से 35 बिल्डर परियोजनओं ने इस आदेश का लाभ लिया। 25 प्रतिशत राशि के सापेक्ष इन बिल्डरों ने 528.13 करोड़ जमा कराए। छह बिल्डर ऐसे है जिन्होंने पूरा जमा करा दिया। 13 ऐसे 25 प्रतिशत के सापेक्ष आंशिक धनराशि करीब 28.60 करोड़ जमा कराई।

इन पैसों से करीब 5758 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री हो सकती है। जिसमें से अब तक 3724 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री हो गई है। बोर्ड ने निर्णय लिया कि ऐसे 10 बिल्डर परियोजनाएं जिनकी की ओर से सहमति के बाद भी बकाया नहीं दिया गया। 13 ने आंशिक पैसा जमा किया। वहीं 35 जिन्होंने 25 प्रतिशत के अलावा पैसा जमा नहीं किया गया।

जबकि इन 35 को और पैसा जमा करने के लिए प्राधिकरण की ओर से नोटिस और समय दोनों दिया गया। प्राधिकरण की बोर्ड इसे शासलादेश के प्रतिकूल मानती है। साथ ही निर्णय लिया गया कि शासनादेश के तहत दिए जाने वाले लाभ की तारीख आगे नहीं बढ़ाई जाएगी और बकायदारों की वसूली प्राधिकरण नियम से होगी।

चाणक्य साफ्टवेयर होगा लांच

नोएडा प्राधिकरण में प्रहरी साफ्टर वेयर के साथ एक चाणक्य साफ्टवेयर भी लान्च किया जा रहा है। ये साफ्टवेयर प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग, कॉन्ट्रैक्ट, कॉन्ट्रैक्टर मैनेजमेंट, परियोजनाओं की मॉनिटरिंग एवं भुगतान का पूरा विवरण ऑनलाइन रखेगा। प्राधिकरण की ओर से परियोजना का बजट तैयार कर उसे शुरू करने से लेकर अंतिम रूप दिए जाने का पूरा ब्यौरा, जिसमें ठेकेदार को भुगतान किये जाने तक का पूरा विवरण ऑनलाइन मिल सकेगा।

12 साल से खाली भूखंडों का आवंटन होगा निरस्त

ऐसे भूखंड आवासीय और ग्रुप हाउसिंग भूखंड जिन पर 12 साल अधिकतम टाइम एक्सटेंशन के बाद भी निर्माण नहीं किया गया है। भूखंड खाली है इनको निरस्तर करने का निर्णय लिया गया है। ऐसे करीब 11 भूखंडों की सूची प्राधिकरण के वर्क सर्किल की ओर से दी गई है। जबकि 9 ऐसे भूखंड है जिन पर आंशिक निर्माण किया गया है या वो निर्माणाधीन है। ऐसे भूखंडों पर आवंटी को निर्माण पूरा कर अधिभोग प्रमाण पत्र लेने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। इसके बाद किसी प्रकार का समय नहीं दिया जाएगा।

4 एसटीपी की होगी रेट्रोफिटिंग, 87 करोड़ होंगे खर्च

NGT एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में शोधित जल की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए चार एसटीपी जिसमें 25 एमएलडी एसटीपी सेक्टर-50, 33 एमएलडी एसटीपी सेक्टर-54, 35 एमएलडी एसटीपी सेक्टर-123 और 50 एमएलडी एसटीपी सेक्टर-168 के सीवेज संशोधन संयंत्रों की रेट्रोफिटिंग कार्य किया जाएंगे। इसके लिए करीब 87.6 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

24 ड्रेनों में घटेगर प्रदूषण

नोएडा में 24 ड्रेनों में प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए एफबीएस (Fi&ed Bed Biofilm Activated Sludge) की तकनीक पर शोधन प्रक्रिया की जाएगी। यह पद्धति CPHEEO manual में भी शामिल है। क्षेत्र में स्थापित 24 ड्रेनों में नीरी द्वारा 11 ड्रेन पर एसटीपी के निर्माण के लिए सीपीसीबी से राय लिया जाएगा। मंजूरी मिलने पर इस कार्य को समय से पूरा कराया जाएगा।

जल्द लान्च की जाएगी योजना

यूनीफाइड रेगूलेशन 2025 को शामिल करते हुए प्राधिकरण के संस्थागत विभाग की ओर से कॉलेज, सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल व नर्सिंग होम के लिए भूखंडों की योजना जल्द लाई जाएगी। इसके लिए ब्रोशर को पास कर दिया गया है।

'ड्राईविंग माई ड्रीम' के तहत छात्राओं को किया जागरूक

नोएडा (चेतना मंच)। महिला कल्याण विभाग द्वारा 3 अक्टूबर 2025 को मिशन शक्ति 5.0 के तहत ड्राइविंग माय ड्रीम के अंतर्गत परिवहन विभाग गौतमबुद्धनगर द्वारा आईटीआई निठारी कॉलेज की बालिकाओं/महिलाओं को नि:शुल्क ड्राइविंग कोर्स एवं लायसेंस बनाने हेतु जानकारी प्रदान दी गई।

कार्यक्रम में परिवहन विभाग से आरआई विनय सिंह एवं उनकी टीम ने बालिकाओं को ड्राइविंग के नियम एवं लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

महिला कल्याण विभाग से वन स्टॉप सेंटर इंचार्ज रिंकी, हब टीम से डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी और जेंडर स्पेशलिस्ट सुनीता उपस्थित रही।

महर्षिनगर में रामलीला महोत्सव और दुर्गा पूजा का भव्य समापन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-110 स्थित रामलीला परिसर में ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के दैवीय आशीर्वाद से शारदीय नवरात्रि एवं श्रीरामलीला महोत्सव का समापन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, भगवान गणेश, भगवान कार्तिकेय और श्रीराम दरबार की प्रतिमाओं का जल में विसर्जन किया गया।

इस मौके पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष राहुल भारद्वाज,श्री दुर्गा पूजा एवं श्री रामलीला महोत्सव कार्यक्रम के संयोजक रामेंद्र सचान, कोषाध्यक्ष विनीत श्रीवास्तव, तथा प्रमुख सदस्य यादवेंद्र यादव, शिशिरकांत श्रीवास्तव, डा.शम्भू शरण गुप्ता, श्रीकांत ओझा, विनोद दीक्षित, दयाशंकर गुप्ता, लल्लन पाठक, गिरीश अग्निहोत्री, शिशुपाल यादव, एस.पी. गर्ग, विनोद श्रीवास्तव, राजेंद्र खंतवाल, कमलेश यादव राजेंद्र शुक्ला, धीरेन्द्र श्रीवास्तव और अमन श्रीवास्तव योगेश यादव रजनीश, शशी भूषण यादव की गरिमामय उपस्थिति ने।

नोएडा लाफ्टर क्लब ने 'दान उत्सव' का किया उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। जेवीसीसी लाफ्टर क्लब 2016 से हर साल दान उत्सव मनाता आ रहा है। लगभग 100 लोगों की मौजूदगी में जेवीसीसी के अध्यक्ष रियर एडमिरल के झांग ने दान उत्सव कैंप का उद्घाटन किया। इस मौके पर दिल्ली के लाफ्टर एंबेसडर डॉ. संतोष शाही भी मौजूद थे।

कमांडर नरेंद्र महाजन ने बताया कि 3 और 4 अक्टूबर को, सेक्टर-21 के कम्युनिटी सेंटर में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बर्तन, कपड़े, सूखा राशन, बैटरी और पैसे जैसी घरेलू चीज़ें जमा की जाएंगी। इन्हें बाद में एनजीओ, 'गूंज' को सौंप दिया जाएगा, जो उन्हें ठीक करके ज़रूरतमंद लोगों तक पहुंचाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत शंखध्वनि से हुई और अंत में लोगों को हंसाने के लिए एक छोटा सा लाफ्टर योगा सेशन हुआ। गूंज का 10 मिनट का प्रेजेंटेशन वहां मौजूद सभी लोगों को बहुत अच्छा लगा। यह बहुत भावुक करने वाला था।

एडमिरल झांग ने गूंज के काम की, खासकर शहरी कचरे को उपयोगी संसाधनों में बदलने के काम की, सराहना की। दान देने का उत्साह बहुत ज़्यादा था।

अंत में, नरेंद्र महाजन ने सभी का, खासकर जेवीसीसी का, उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

एमिटी विश्वविद्यालय में कबड्डी के क्वाटर फाइनल मुकाबले

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के 26वें अंतर एमिटी संस्थान खेल प्रतियोगिता संगठन 2025 के अंर्तगत कबड्डी के पुरूषों और महिलाओं के क्वाटर फाइनल मुकाबले हुए। जिसमें पुरूषों के कबड्डी क्वाटर फाइनल मुकाबले में एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी की टीम और महिलाओं के कबड्डी के क्वाटर फाइनल मैच में एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की टीम विजयी रही।

पुरूषों के कबड्डी क्वाटर फाइनल मुकाबला एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी की टीम और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ ऑरगेनिक एग्रीकल्चर की टीम के मध्य हुआ जिसमें मैच के प्रथम भाग में एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी की टीम ने 19 पाइंट बनाये वही इसके मुकाबले एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ ऑरगेनिक एग्रीकल्चर की टीम ने 12 पाइंट बनाये।

मैच के द्वितीय भाग में एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी की टीम ने 19 पाइंट बनाये वही एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ ऑरगेनिक एग्रीकल्चर की टीम ने 22 पाइंट बनाये। इस तरह यह मैच एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी की टीम ने 04 पाइंट से जीत लिया।

महिलाओं के कबड्डी के क्वाटर फाइनल मैच का मुकाबला एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की टीम और एमिटी लॉ स्कूल की टीम के मध्य हुआ। जिसमें मैच के प्रथम भाग में एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की टीम ने 16 पाइंट बनाये वही एमिटी लॉ स्कूल की टीम 07 पाइंट ही बना पाई। मैच के दूसरे भाग में एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की टीम ने 17 पाइंट बनाये जबकी मिटी लॉ स्कूल की टीम 08 पाइंट पर ही सिमट गई। इस तरह एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की टीम ने यह मैच 18 पाइंट से जीत लिया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com